मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 96
गुरुवार, 17 अक्टूबर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

एमएसपी वृद्धि 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदमः भागीरथ चौधरी

नई दिल्ली/अजमेर, 16 अक्टूबर। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा किसान हित में लिए गए निर्णयों की सराहना की। केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने बताया कि केंद्र सरकार ने रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए 6 रबी फसलों गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड और सरसों, कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का निर्णय लिया है। किसानों की आय बढ़े, वह सशक्त और समृद्ध बनें, इसके लिए केंद्र सरकार संकल्पित है।

एमएससी वृद्धि का निर्णय किसान हित में ऐतिहासिक कदमः केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि हमारे किसानों और देश के कृषि क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। मोदी सरकार ने एक बार फिर अपनी प्रतिबद्धता को साबित करते हुए किसानों के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि का ऐलान किया है, जो न केवल किसानों की आय में बढ़ोतरी करेगा, बल्कि उन्हें उत्पादन की लागत से अधिक लाभ सुनिश्चित करेगा। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि यह निर्णय प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह इस बात का प्रमाण है कि सरकार किसानों की कठिनाइयों को समझती है और उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए कृतसंकल्पित है।

एमएसपी वृद्धि से छोटे और सीमांत किसानों को लाभः केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी ने बताया कि केंद्र सरकार ने प्रमुख फसलों के एमएसपी में वृद्धि कर यह सुनिश्चित किया है कि किसान भाई-बहन अपने परिश्रम का उचित फल प्राप्त कर सकें। इसका लाभ विशेषकर छोटे और सीमांत किसानों को मिलेगा, जो हमारी कृषि व्यवस्था की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, कृषि क्षेत्र में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं, जिनका उद्देश्य किसानों की आय को दोगुना करना है। एमएसपी की यह वृद्धि उसी दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम है। हम सबको यह समझना होगा कि जब तक किसान खुशहाल नहीं होंगे, तब तक हमारा देश प्रगति के पथ पर आगे नहीं बढ़ सकता।

6जी मानकों व विनियमों में सभी के लिए समावेशिता सुनिश्चित होनी चाहिएः ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि 6जी से संबंधित मानकों तथा नियमों से सभी के लिए समावेशिता और सामर्थ्य सुनिश्चित होना चाहिए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) में अंतरराष्ट्रीय 6जी संगोष्ठी के उद्घाटन के अवसर पर सिंधिया ने कहा कि चूंकि 6जी के लिए मानक तय किए जा रहे हैं, इसलिए प्रौद्योगिकी तथा इंजीनियरिंग में अपनी सिद्ध क्षमताओं को देखते हुए भारत के पास जबरदस्त अवसर हैं। मंत्री ने कहा, हमारे 6जी मानक जो अभूतपूर्व गति, कम विलंबता और परिवर्तनकारी अनुप्रयोगों की विशेषता रखते हैं...सभी के लिए समावेशी, सुलभ व किफायती होने चाहिए

और केवल तभी यह समग्र मानवता के वास्तविक मूल्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। सिंधिया ने 6जी अवसर का लाभ उठाने वाले प्रत्येक नागरिक के लिए साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, जैसा कि हम विनियामक वातावरण तैयार करते हैं, भारत के पास विनियमनों के निर्माण में योगदान देने की जबरदस्त क्षमता है। भारत में एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग या गणित) स्नातकों की एक बड़ी संख्या है। इसकी प्रौद्योगिकी प्रगति एक बड़ा अवसर प्रस्तुत करती है क्योंकि दुनिया 6जी की ओर बढ़ रही है। मंत्री ने कहा, दुनिया के करीब 31.7 प्रतिशत एसटीईएम स्नातक भारत से हैं।

चंद्रबाबू नायडू को बड़ी राहत, 371 करोड़ रुपये के घोटाला मामले में ईडी से मिली क्लीन चिट

आंध्र प्रदेश, 16 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के लिए एक बड़ी राहत वाली खबर सामने आई है। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें कथित 371 करोड़ रुपये के कौशल विकास निगम घोटाले के संबंध में क्लीन चिट दे दी है। नायडू को पिछले साल तत्कालीन जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा शुरू की गई जांच पर गिरफ्तार किया गया था और 31 अक्टूबर, 2023 को अंतरिम जमानत मिलने से पहले उन्होंने 50 दिन जेल में बिताए थे।

आंध्र प्रदेश सीआईडी द्वारा की गई जांच के अनुसार नायडू को पिछले साल 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। आंध्र

प्रदेश पुलिस ने 13 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि वह फाइबरनेट मामले में टीडीपी प्रमुख को 18 अक्टूबर तक गिरफ्तार नहीं करेगी क्योंकि कौशल विकास निगम घोटाले से संबंधित उनकी याचिका अदालत में लंबित है। नायडू को कौशल विकास निगम से कथित तौर पर धन का दुरुपयोग करने के आरोप में राजामहेंद्रवरम जेल में बंद किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था।

उन्हें 31 अक्टूबर, 2023 को चिकित्सा आधार पर अंतरिम राहत मिली क्योंकि उनके अधिवक्ताओं ने अदालत को सूचित किया कि नायडू को मोतियाबिंद सर्जरी कराने के लिए जमानत की आवश्यकता है। 20 नवंबर को, आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने कौशल विकास मामले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) नेता को नियमित जमानत दे दी। एक सप्ताह से अधिक समय बाद, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सार्वजनिक रैलियों और बैठकों में भाग लेने की अनुमति दी।

केजरीवाल ईमानदार, नहीं कर सकता भ्रष्टाचार, बीजेपी पर फिर भड़के दिल्ली के पूर्व सीएम

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को भाजपा पर आरोप लगाया कि अगर भगवा पार्टी सत्ता में आई तो वह उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई मुफ्त बिजली योजना को खत्म करने की योजना बना रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा पिछले 10 वर्षों में राष्ट्रीय राजधानी में विकास कार्यों को रोक रही है। पार्टी के जनसंपर्क अभियान के तहत एक रैली को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में उनकी सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को रोकने के लिए उन्हें जेल भेजा था। अपको बता दें कि छह महीने बाद जेल से बाहर आने के बाद

पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था।

आप प्रमुख ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में, उन्होंने उपराज्यपाल के माध्यम से (दिल्ली में) कई परियोजनाओं को रोकने की कोशिश की। लेकिन मैंने आपका कोई भी काम रुकने नहीं दिया। मैं पढ़ा-लिखा हूं और पहले एक अधिकारी रह चुका हूं। इसलिए, मुझे पता है कि सरकार कैसे चलानी है और सरकारी कामकाज कैसे करना है। केजरीवाल ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा शासित राज्यों में लोग सवाल कर रहे हैं कि विकास कार्य क्यों नहीं हो रहे हैं जैसा कि उनके कार्यकाल में दिल्ली में हुआ था।

भाजपा पर वार करते हुए केजरीवाल ने कहा कि वे दिल्ली में काम क्यों रोकना चाहते हैं? मैंने दिल्ली में ऐसा काम किया है जो आज तक देश में कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि 22 राज्यों में उनकी सरकारें हैं। वे दिल्ली में किए गए काम को दोहराने में सक्षम नहीं हैं। वहां के लोग अब उनसे पूछने लगे हैं कि काम क्यों नहीं हो रहा है. इसका उनके पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि पंजाब में हमारी जीत के बाद वे सोचने लगे कि अगर दिल्ली में काम जल्द नहीं रोका गया तो पूरे देश में उनकी दुकानें बंद हो जाएंगी और अअढ सत्ता में आ जाएगी।

केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जब वह शराब नीति मामले में जेल में थे तो उन्हें इंसुलिन न देकर उनकी हत्या करने की साजिश रची गई थी। उन्होंने कहा कि मेरा शुगर लेवल बढ़ा हुआ है और मुझे रोजाना चार इंसुलिन इंजेक्शन लेने पड़ते हैं। उन्होंने (भाजपा) मुझे जेल में डाल दिया। मेरी किडनी खराब हो जाती और इंसुलिन की कमी के कारण मेरी मृत्यु हो सकती थी। उनकी साजिशों के बावजूद आपके आशीर्वाद से मैं जेल से बाहर आ सका।

पूर्व सीएम ने कहा कि सब जानते हैं कि मैंने कोई भ्रष्टाचार नहीं किया है। केजरीवाल भ्रष्टाचार नहीं कर सकता? फिर उन्होंने मुझे गिरफ्तार क्यों किया? ऐसा इसलिए है क्योंकि वे उस काम को रोकना चाहते थे जो मैं दिल्ली में आपके लिए कर रहा हूं और जो सुविधाएं मैं आपको प्रदान कर रहा हूं, उन्हें रोकना चाहते थे।

हरियाणा राज्यपाल से मिले नायब सिंह सैनी, सरकार बनाने का दावा किया पेश

हरियाणा। हरियाणा के कार्यवाहक सीएम नायब सिंह सैनी ने राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया है। उनके साथ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री-पूर्व सीएम मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के लिए भाजपा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान मौजूद रहे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को सौंपा है। जानकारी के मुताबिक हरियाणा भाजपा विधायक दल के नेता चुने जाने के बाद सैनी कल 17 अक्टूबर को दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सैनी को समर्थन देने वाले तीन निर्दलीय विधायक भी राजभवन पहुंचे थे। इन निर्दलीय विधायकों में सवित्री जिंदल, देवेन्द्र कादयान और राजेश दून शामिल हैं। इससे पहले आज, नायब सिंह सैनी को सर्वसम्मति से और निर्विरोध रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक दल का नेता चुना गया। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और पूर्व राज्य मंत्री अनिल विज ने हरियाणा के पंचकुला में आयोजित विधायक दल की बैठक में सैनी के नाम का प्रस्ताव रखा।

बैठक को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, हरियाणा ने देश के राजनीतिक पंडितों को गलत साबित करके लगातार तीसरी बार बीजेपी की सरकार बनाकर इतिहास रचा है। भाजपा ने चुनावों के दौरान संकेत दिया था कि मार्च में मुख्यमंत्री के रूप में मनोहर लाल खट्टर की जगह लेने वाले और अन्य पिछड़ा वर्ग से आने वाले सैनी, अगर जीतते हैं तो शीर्ष पद के लिए उनकी पसंद होंगे। विधानसभा चुनावों में, पार्टी ने 48 सीटों के साथ अपनी सर्वश्रेष्ठ जीत दर्ज की, जो कांग्रेस से 11 अधिक है।

कारपेट इंडस्ट्री को मिले कृषि उद्योग का दर्जा : वीरेन्द्र सिंह मस्त

- कालीन मेले से कालीन उद्योग को मिलेगी एक नई उडानः रेनुलता नारायणन

सुरेश गांधी

भदोही। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद द्वारा कारपेट एक्सपो मार्ट, भदोही में बुधवार को बड़ी संख्या में विदेशी खरीदारों ने शिरकत की है। बायरों की बढ़ती रुचि इंडिया कार्पेट एक्सपो के 47वें संस्करण को दुनिया भर में ख्याति मिल रही हैं। एक्सपो के दुसरे दिन तक 209 विदेशी खरीदारों और 231 विदेशी खरीददारों के प्रतिनिधियों ने विभिन्न स्टॉलों पूछपरख की हैं। मेले में पहुंचे विदेशी खरीदारों में मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी बेल्जियम, ब्राजील, बुल्गारिया, कनाडा, इजिप्ट,

फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, कजाकिस्तान, स्विट्जर्लैंड, ताइवान, टर्की, युएसए जैसे देश शामिल है। दोपहर बाद मेले में पहुंचे पूर्व सांसद श्री वीरेन्द्र सिंह मस्त ने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कालीन उद्योग केवल उद्योग ही नहीं है बल्कि यह एक जीवन धारा है। इसमे कार्य करने वाले बुनकर मुख्यतः किसान है। इसमे उपयोग होने वाला कच्चा माल भी कृषि उत्पाद है, इसलिए कालीन व्यसाय को उद्योग की श्रेणी में ना रखते हुए कृषि उद्योग की मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। इसके अंतर्गत मिलने वाले समस्त लाभ कालीन उद्योग को प्राप्त होने चाहिए। इसके लिए वे केंद्र और राज्य सरकार के स्तर पर हर संभव सहायता के लिए उद्यमियों के साथ है। इस दौरान वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के आर्थिक सलाहकार श्रीमती रेनुलता नारायणन ने भी मेले का दौरा किया। उन्होंने मेले की व्यवस्था तथा रंग विरंगी आकर्षक कालीनो की सराहना करते हुए कहा कि इस कालीन मेले से कालीन उद्योग को एक नई उडान मिलेगी। यूपी के श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय विभाग के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने भी मेले का दौरा किया। उन्होंने कहा, कालीन मेले के आयोजन से कालीन उद्योग को एक नई दिशा मिलेगी।

इसके लिए उन्होंने समस्त निर्यातको एवं अयाताको को शुभकामनाएं भी दी। वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी सदस्य अम्बरीश सिंह भोला ने भी मेले का दौरा किया। उन्होंने कहा, वे मुख्यमंत्री से कारपेट इंडस्ट्री के विकास के लिए हर संभव सहायता की मांग करेंगे। सीईपीसी अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल एवं प्रशासनिक समिति के सदस्यों ने बताया कि भाग लेने वाले सदस्यों से प्राप्त प्रतिक्रिया के अनुसार भागीदार तथा एक्सपो में आने वाले विदेशी खरीददारों के साथ उनकी बातचीत के अनुसार खरीदार बहुत खुश थे और अंतरराष्ट्रीय स्तर का ऐसा मंच प्रदान करने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। सीईपीसी अध्यक्ष कुलदीप राज वट्टल ने कहा यह एक्सपो भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया जाता है।

एक्स्पों में विदेशी खरीदारों को भा रही हाथ का हुनर

भदोही। अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में सात समुंदर पार से पहुंचे खरीदारों को हाथ से बने विभिन्न रंग-बिरंगी आकर्षक कालीनें लुभा रही है। या यूं कहे विदेशियों के मन पर भारतीय कालीनें अमिट छाप छोड़ रही है। देशभर से मेले में आएं निर्यातकों की लगी स्टॉलों में सजी कालीनों की कृतियां पहली झलक में ही इतना आकर्षण पैदा कर रही हैं कि वे सिर्फ कृतियों को निहारने ही नहीं बल्कि पूछताछ के साथ खरीदारी भी कर रहे है। सेंपलो को अपने साथ लेने जाने से भी खुद को रोक नहीं पा रहे हैं।

एक्स्पों मार्ट भदोही में चल रही कारपेट की हस्तशिल्प प्रदर्शनी में सजी कालीनें इस तरह निर्यातकों को प्रभावित कर रही हैं कि उनके मुख से बरबस ही निकल रहा है बहुत खूब। उन्हें एक ही छत के नीचे हाथ से बनी कालीनें मिल रही हैं। हालांकि मेले में विदेशी खरीदारों को आकर्षित करने के लिए निर्यातकों ने भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। एक से बढ़कर एक डिजाइन व कलर कांबिनेशन के साथ यूनिक कालीनों की प्रदर्शनी अपने अपने स्टॉलों में लगायी है। मतलब साफ है कालीनों में नए प्रयोग से निर्यातक विदेशी

खरीदारों को आकर्षित करने का हर संभव कोशिश कर रहे हैं। भदोही कारपेट के पंकज बरनवाल ने बताया कि उनके कालीनों की अच्छी रेंज है और आयातकों को पसंद आ रहा है।

सीईपीसी के अनुसार पहले दिन अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, फ्रांस, कनाडा, इस्त्राइल, टर्की, जापान, रूस, यूएसए, यूके, इटली, स्वीडेन, जर्मनी, नीदरलैंड, पोलैंड समेत कुल 40 देशों के आयातकों ने हिस्सा लिया। शाम तक मार्ट में करीब 209 आयातक व उनके प्रतिनिधि पहुंचे। आयातक अपनी जरूरत के हिसाब से स्टॉलों पर जाकर कालीन की बारीकियों को देखा और परखा। आयातकों को इससे अच्छे ऑर्डर मिलने की उम्मीद है। आयोजकों का कहना है कि यह व्यापार मेला नहीं, बल्कि विश्स्तरीय कलात्मकता का प्रदर्शन है।

डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने रामायण रची

-ललित गर्ग

महर्षि वाल्मीकि जयंती- 17 अक्टूबर, 2024

महापुरुषों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन, कर्म एवं उपलब्धि कालजयी होती है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करती है। महर्षि वाल्मीकि हमारे ऐसे ही एक प्रकाश-स्तंभ हैं, जिनकी जयंती का सनातन धर्म में बहुत ही खास महत्व है। डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने हिन्दू धर्म के महा- रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की थी। ऋषि वाल्मीकि सबसे महान संस्कृत कवियों में से एक थे। उन्हें आदिकवि के नाम से भी जाना जाता है। ऋषि वाल्मीकि ने जिस रामायण की रचना की वो वाल्मीकि रामायण के नाम से जानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि अपने वनवास के समय भगवान श्रीराम वाल्मीकि के आश्रम भी गए थे। वाल्मीकिजी को भगवान श्रीराम के जीवन में घटित घटनाओं की जानकारी थी। कहा जाता है कि ऋषि वाल्मीकि को तीनों कालों सतयुग, त्रेता और द्वापर का ज्ञान था। महाभारत काल में भी वाल्मीकिजी का उल्लेख मिलता है।

वाल्मीकि जयंती हर साल आश्विन महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनायी जाती है। उनकी जन्मतिथि आज भी विवादों में ही है, क्योकि उनके जन्म के बारें मे कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है जिससे उनकी सही जन्म तिथि के बारे मे कुछ भी कहा जा सके। लेकिन रामायण के समयकाल को शामिल करते हुए यह कहा जाता है, कि वह पहली शताब्दी से लेकर पांचवीं शताब्दी के बीच के रहे होगें। वे एक संत थे और वो एक साधारण जीवन और उच्च विचार रखने वाले व्यक्ति थे। वे बहुत ज्ञानी होने के साथ-साथ एक महान व्यक्तित्व थे। हिंन्दू पौराणिक कथाओं अनुसार, वाल्मिकी ऋषि ही वह अलौकिक एवं दिव्य व्यक्ति थे, जिन्होंने देवी सीता को तब आश्रय दिया था, जब वो अयोध्या राज्य छोड़कर वन में चली गई थीं। यही नहीं मां ने उन्हीं के आश्रम में लव कुश को जन्म दिया था। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही लव कुश ने भगवान श्रीराम का अश्वमेध यज्ञ बांध लिया था। जिसकी वजह से श्रीराम को वाल्मीकि आश्रम में आना पड़ा था। यहीं पर पहली बार लव कुश अपने पिता श्रीराम से मिले थे। बाद में महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम को लव कुश से परिचय करवाया। देवी सीता के पृथ्वी माता की गोद में समा जाने पर वाल्मीकि ने लव कुश को भगवान श्रीराम को सौंप दिया। मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि का जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। किंतु डाकुओं के संसर्ग में रहने के कारण ये लूटपाट और हत्याएं करने लगे और यही इनकी आजीविका का साधन हो गया। इन्हें जो भी मार्ग में मिलता वह उनकी संपत्ति लूट लिया करते थे। एक दिन इनकी मुलाकात देवर्षि नारद से हुई। इन्होंने नारदजी को लुटते हुए कहा कि तुम्हारे पास जो कुछ है उसे निकाल कर रख दो, नहीं तो तुम्हें जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। देवर्षि नारद ने कहा, मेरे पास इस वीणा और वस्त्र के अलावा कुछ और नहीं है? तुम लेना चाहो तो इसे ले सकते हो, लेकिन तुम यह क्रूर कर्म करके भयंकर पाप क्यों करते हो? देवर्षि की कोमल वाणि सुनकर वाल्मीकि का कठोर हृदय कुछ द्रवित हुआ। इन्होंने कहा, मेरी आजीविका का यही साधन है और इससे ही मैं अपने परिवार का भरण पोषण करता हूं।ह्व देवर्षि बोले, तुम अपने परिवार वालों से जाकर पूछो कि वे तुम्हारे इन पाप कर्मों में भी हिस्सा बंटाएंगे या नहीं? वाल्मीकि ने परिजनों से उक्त प्रश्न पूछा तो सभी ने कहा कि यह तुम्हारा कर्तव्य है कि हमारा भरण पोषण करो परन्तु हम तुम्हारे पाप कर्मों में क्यों भागीदार बनें? परिजनों की बात सुनकर वाल्मीकि को आघात लगा। उनके ज्ञान नेत्र खुल गये। उनके जीवन की दिशा बदल गयी। इस घटना से रत्नाकर बहुत दुखी हुआ और गलत मार्ग का त्याग करते हुए श्रीराम की भक्ति में डूब गया। महर्षि बाल्मीकि परिजनों की बात सुनने के बाद जंगल में पहुंचे और वहां जाकर देवर्षि नारद को बंधनों से मुक्त किया तथा विलाप करते हुए उनके चरणों में गिर पड़े और अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा। नारदजी ने उन्हें धैर्य बंधाते हुए श्रीराम नाम के जप की सलाह दी। लेकिन चूंकि वाल्मीकि ने भयंकर अपराध किये थे इसलिए वह राम राम का उच्चारण करने में असमर्थ रहे तब नारदजी ने उन्हें मरा मरा उच्चारण करने को कहा। बार बार मरा मरा कहने से राम राम का उच्चारण स्वतः ही होने लगा। इस राम नाम के जप ने रत्नाकर डाकू का जीवन ही नहीं बदला बल्कि उनके भीतर अनेक अलौकिक, दिव्य एवं विलक्षण शक्तियों का प्रस्फुटन भी कर दिया था। उनके इस जप एवं तप से ब्रह्मदेव प्रसन्न हुए और उन्होंने वाल्मीकिजी को श्रीराम का चरित्र लिखने का आदेश दिया। उसके बाद वाल्मीकिजी ने रामायण की रचना की।

महर्षि वाल्मीकि का पालन जंगल में रहने वाली भील जाति में हुआ था, जिस कारण उन्होंने भीलों की परंपरा को अपनाया। स्कंद पुराण के नागर खंड में महर्षि वाल्मीकि को ब्राह्मण बताया गया है। पुराण के मुताबिक ब्राह्मण परिवार में जन्में वाल्मीकि के बचपन का नाम ह्यलोहजंघाह्न था और वह अपने माता-पिता के प्रति बहुत समर्पित थे। गोस्वामी तुलसीदास को रामायण के रचयिता वाल्मीकि का अवतार माना जाता है। वाल्मीकि को भगवान श्रीराम के जीवन की हर घटना का ज्ञान था, ऐसा प्रतीत होता है अपनी दिव्य साधना एवं सिद्धि से श्रीराम के सम्पूर्ण जीवन का साक्षात्कार किया हो। वे रामायण के रचयिता ही नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के भाष्यकार भी है। तभी उन्होंने श्रीराम के जीवन एवं चरित्र को बहुत बारीकी से प्रस्तुति दी है। ऋषि वाल्मीकिजी कहते है कि भगवान श्रीराम का चेहरा चंद्रमा की तरह चमकदार और सुंदर है। उनकी आंखों की तुलना कमल से की गई। आंखों के कोणों के ताम्र रंग को ताम्राक्ष और लोहिताश के रूप में व्यक्त किया है। ऋषि वाल्मीकि के अनुसार भगवान श्रीराम के बाल लंबे और घने थे। उनके अनुसार, भगवान श्रीराम की नाक उनके चेहरे की तरह लंबी और सुडौल थी। उन्होंने श्रीराम को महानासिका वाला बताया है। महानासिका से तात्पर्य उन्नत और दीर्घ नासिका से है। वहीं प्रभु श्रीराम के कानों के लिए उन्होंने टीकारों ने चतुर्दशसमद्वन्द और दशवृहत जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। जिसका अर्थ है कानों का सम और बड़ा होना। वाल्मीकि ने उनके कानों के लिए शुभ कुंडलों का प्रयोग भी किया है। महर्षि वाल्मीकि के अनुसार, प्रभु के हाथ के अंगूठे में चारों वेदों की प्राप्ति सूचक रेखा थी, जिसके चलते उन्हें चतुष्फलक कहा गया है। श्रीराम के चरण सम और कमल के समान बताए गए हैं। मान्यता के अनुसार एक बार वाल्मीकिजी गहन तपस्या में बैठे थे। लंबे समय तक चले इस तप में वे इतने मग्न थे कि उनके पूरे शरीर पर दीमक लग गई। लेकिन उन्होंने बिना तपस्या भंग किए निरंतर अपनी साधना पूरी की। इसके बाद ही आंखें खोली। फिर दीमकों को हटाया। कहा जाता है कि दीमक जिस जगह अपना घर बना लेते हैं, उसे वाल्मीकि कहते हैं, इसलिए इन्हें वाल्मीकि के नाम से जाना जाने लगा। एक और घटना एवं मान्यता के अनुसार एक बार महर्षि वाल्मीकि ने एक बार पत्थर पर लिखी रामायण को देखा तो हैरान रह गए और सोचने लगे कि इतनी अच्छी रामायण किसने लिखी। इतने में हनुमानजी वहां प्रकट हो गए और बताया कि यह उनकी लिखी रामायण है। वाल्मीकि इससे दुखी हुए और बताया कि आपकी लिखी रामायण को पढ़ने के बाद मेरी रामायण कौन पढ़ेगा? हनुमानजी ने वाल्मीकि के मनोभाव को जान कर पत्थरों पर लिखी अपनी रामायण को उठाकर समुद्र में फेंक दिया। हनुमानजी ने वाल्मीकि से कहा कि आपकी रामायण ही अबसे दुनिया पढ़ेगी और प्रसिद्ध होगी। निश्चित ही रामायण की कालजयी लोकप्रियता एवं जन-आस्था ने उसे सनातन साहित्य और सर्वप्रिय धर्मग्रंथ का गौरव प्रदान किया है। भारत के घर-घर एवं सभी देशों में रामायण हिन्दू-धर्म-दर्शन का वैश्विक दूत बन गया है। उसकी लोकप्रियता सर्वोपरि है एवं हिन्दू धर्म के अनुयायी बाल्मीकि के सदैव ऋणि रहेंगे।

भारत और कनाडा के खराब होते रिश्ते, किस पर कितना पड़ेगा असर?

-रमेश सर्राफ धमोरा

पहले से खराब भारत और कनाडा के साथ रिश्ते और खराब होते जा हैं। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को लेकर जिस तरह से घटनाक्रम बदले, उसने भारत और कनाडा के बीच एक बार फिर नया राजनयिक संकट खड़ा कर दिया है। कनाडा के पुलिस कमिश्नर ने आरोप लगाया था भारतीय राजनयिक और कॉन्सुलर अधिकारी सीधे तौर पर या एजेंटों के जरिए भारत सरकार के लिए जानकारी जुटाने के लिए अपने पद का फायदा उठाते हैं। इसके बाद कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि हमने भारत के एजेंटों के आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने के सबूत दिए थे। भारत से बार-बार आग्रह के बावजूद कोई सहयोग नहीं किया।इसके बाद भारत ने कनाडा में अपने उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा समेत कई राजनयिकों को वापस बुला लिया है। इसके साथ ही भारत ने कनाडा के छह राजनयिकों को भी निष्कासित कर दिया है और उन्हें 19 अक्टूबर तक भारत छोड़ने को कह दिया है।

बताया जाता है कि अगर कनाडा का यही रवैया रहा तो जाहिर है कि इसका असर दोनों देशों पर पड़ेगा। भारत के हाथ में कनाडा की सबसे बड़ी ताकत है। अगर भारत ने अपना हाथ खींच लिया तो कनाडा की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है। दरअसल, द्विपक्षीय व्यापार के अलावा कनाडा भारत के स्टूडेंट्स पर भी काफी डिपेंडेड है। अगर कनाडा के रवैये के कारण भारत के साथ उसके रिश्ते खराब हुए तो कनाडा की इकोनॉमी पर असर पड़ना तय है। कनाडा में बड़ी तादाद में भारतीय स्टूडेंट्स पढ़ाई करने जाते हैं और देश की अर्थव्यवस्था और यहां के कॉलेजों के लिए पैसे का बड़ा स्रोत हैं। ऐसे भारतीय स्टूडेंट्स कनाडा की इकोनॉमी में बड़ा योगदान हैं।

भारत सरकार के डाटा के अनुसार , 13 लाख से ज्यादा भारतीय स्टूडेंट्स विदेशों में पढ़ाई कर रहे हैं। हर साल भारी तादाद में भारतीय बाहर पढाई करने जाते हैं। वहीं सबसे ज्यादा कनाडा भारतीय स्टूडेंट्स की पढ़ाई की पहली पसंद है। सबसे ज्यादा भारतीय स्टूडेंट्स कनाडा पढ़ाई करने जाते हैं। मौजूदा समय में कनाडा में 4,27,000 भारतीय स्टूडेंट्स पढ़ रहे हैं। कनाडा में 40 पर्सेंट भारतीय स्टूडेंट्स हैं और ये कनाडा की अर्थव्यवस्था में ढाई लाख करोड़ रुपये का योगदान देते हैं, जिससे कनाडा की इकोनॉमी मजबूत होती है। कनाडा भारतीय छात्रों की पहली पसंद इसलिए है क्योंकि उनके जरिए दी जाने वाली फीस यहां बाकी देशों से कम है। हालांकि, ये फीस कनाडाई नागरिकों के लिए और भी कम है और विदेशी छात्रों को उनसे चार गुना ज्यादा फीस भरनी पड़ती है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीयों समेत विदेशी छात्र कनाडा में औसतन 8.7 लाख रुपये फीस भरते हैं।

जानकारों का कहना है कि भारत के स्टूडेंट्स कनाडा की इकोनॉमी में सिर्फ फीस और पढ़ाई करके ही योगदान नहीं कर रहे हैं बल्कि वो यहां नौकरी करके भी देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ा रहे हैं। 2022 के डाटा के मुताबिक, कनाडा की अर्थव्यवस्था में विदेशी छात्रों का योगदान 22.3 बिलियन डॉलर का था जबकि इसमें 10.2 बिलियन डॉलर यानी 85,000 करोड़ रुपये तो अकेले भारतीय स्टूडेंट्स ही योगदान कर रहे थे। यही नहीं, कनाडा में कई कॉलेज यूनिवर्सिटीज भारत के भरोसे ही चल रही हैं। ऐसे में अगर भारतीय स्टूडेंट्स वहां जाना छोड़ दें और नौकरी न करें तो ट्रूडो की हेकड़ी निकल जाएगी। भारत ने अगर भारत के स्टूडेंट्स पर प्रतिबन्ध लगा दिया तो कनाडा की इकोनॉमी को कम से कम 85 हजार करोड़ का झटका लगेगा, ये वही पैसा है जो भारतीय वहां पढाई लिखाई और रहने खाने पर खर्च कर रहे हैं।

गौरतलब है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो 2015 से इस पद पर हैं।। पहली बार सत्ता में आने के बाद ट्रूडो ने अपनी कैबिनेट में 4 सिख सांसदों को मंत्री बनाया था ।उस चुनाव में कुल 17 सिख सांसद जीते थे। इनमें से 16 ट्रूडो की लिबरल पार्टी से थे।मार्च 2016 में ट्रूडो ने अमेरिका में एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा था । उन्होंने कहा था कि मेरी कैबिनेट में मोदी की तुलना में ज्यादा सिख हैं।' तब मोदी सरकार में दो सिख मंत्री श्रीमती मेनका गांधी और हरसिमरत कौर बादल ही थीं।

अभी ट्रूडो की कैबिनेट में एकमात्र सिख मंत्री हरदीप एस। सज्जन हैं। हरदीप सज्जन को भारत विरोधी माना जाता है। सोमवार को जब कनाडा ने भारत के राजनयिकों को निष्कासित किया, तो हरदीप ने इसकी तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कनाडा की धरती पर कनाडाई लोगों की सुरक्षा को खतरे में डालने के गंभीर आरोप के कारण आज भारतीय राजनयिकों को निष्कासित कर दिया गया। ये देखना अच्छा लगता है कि कानूनी एजेंसियां एक ऐसे मामले में लगातार काम कर रही है, जो सिख समुदाय को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। मैं खुशनसीब हूं कि हम कनाडा में रहते हैं, जहां कानून अपना काम करता है।

देखा जाता है कि कनाडा में ट्रूडो का सिख समुदाय, खासकर खालिस्तानी समर्थकों के प्रति प्रेम हमेशा से ज्यादा गहराता जा रहा है। जब 2018 में जस्टिन ट्रूडो अपनी पत्नी सोफी के साथ सात दिन की भारत यात्रा पर आए थे। इस दौरान ट्रूडो और उनकी पत्नी कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। ऐसे ही एक कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक जसपाल अटवाल भी दिखा था।मुंबई और दिल्ली में जस्टिन ट्रूडो के कार्यक्रम का जसपाल अटवाल को न्योता मिला था। मुंबई में सोफी ट्रूडो के साथ जसपाल अटवाल साथ दिखाई दिया था। इस कार्यक्रम में कनाडा के मंत्री अमरजीत सोही भी साथ थे। इस पर जब बवाल हुआ तो कनाडा ने दिल्ली में जस्टिन ट्रूडो की डिनर पार्टी के लिए जसपाल अटवाल को दिया न्योता रद्द कर दिया। जसपाल अटवाल खालिस्तान का समर्थक रहा है और प्रतिबंधित संगठन 'इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन' से जुड़ा रहा है। 1986 में कनाडा के वैंकूवर में पंजाब के मंत्री मलकियत सिंह सिद्धू की हत्या की कोशिश के लिए जसपाल को कनाडाई कोर्ट ने दोषी ठहराया था। उस हमले में तो मलकियत सिंह बच गए थे, लेकिन भारत में उनकी हत्या कर दी गई थी। कनाडा की अदालत ने जसपाल को 20 साल की सजा सुनाई थी। इतिहास देखे तो 2015 से सत्ता में बने ट्रूडो न तो 2019 में बहुमत हासिल कर सके और न ही 2021 में। मगर दूसरी पार्टियों के सहारे उनकी लिबरल पार्टी सत्ता में बनी रही। कनाडा में अगले साल अक्टूबर में संसदीय चुनाव होने हैं। ट्रूडो की पार्टी लगातार कमजोर हो रही है। कनाडाई संसद में कुल 338 सीटें होती हैं और सरकार बनाने के लिए 169 सीटों की जरूरत पड़ती है। ट्रूडो की लिबरल पार्टी के पास अभी 154 सीटें हैं। ट्रूडो को पता है कि सत्ता बचाए रखनी है तो सिखों को अपने साथ रखना जरूरी है। इसी फायदे को देखते हुए वे लगातार भारत से पंगा ले रहे है । अपना जनाधार खोने के डर से ट्रूडो अब सिखों को खुश करने में जुटे हैं। जानकारों का मानना है कि 2025 में सत्ता में वापसी की उम्मीद के कारण ट्रूडो ऐसी भारत विरोधी हरकतें कर रहे हैं।

ट्रूडो सरकार में विदेश नीति के सलाहकार रहे ओमर अजीज के अनुसार ऐसा नहीं है कि मोदी हमेशा कनाडा के अच्छे दोस्त रहेंगे, लेकिन इन सबसे बड़ा नुकसान कनाडा को हुआ है। दुनिया में मोदी की स्वीकार्यता बढ़ी है, जबकि कनाडा अलग-थलग है। उन्होंने लिखा था कि सीधे-सीधे आरोप लगाने की बजाय कनाडा को कनाडाई नागरिक की हत्या की जांच करनी थी और उसके नतीजों को सार्वजनिक करना चाहिए था और भारत के साथ तनाव कम करने की कोशिश की जानी चाहिए थी।ओमर अजीज के इस बात समझा जा सकता है कि 'वोटबैंक' के लिए भारत से रिश्ते बिगाड़ना ट्रूडो पर ही भारी पड़ सकता है, क्योंकि कनाडा में बहुत सारे लोग ट्रूडो जैसा नहीं सोचते।

बताया जाता है कि कनाडा और भारत के रिश्ते और बिगड़ते है तो सब कुछ कनाडा का ही बिगड़ेगा क्योंकि भारत के पास कनाडा की अपेक्षा खोने को कुछ खास नहीं है । कनाडा जी-7 का सदस्य है। क्या जी-7 के बाकी देश कनाडा का साथ देंगे? जी-7 में बाकी देश यूएस, यूके, जर्मनी, फ्रांस, जापान और इटली सभी से भारत के रिश्ते अच्छे हैं। बताया जाता है कि अमेरिका के कनाडा से खास रिश्ते हैं तो शायद वह कनाडा का साथ दें लेकिन बाकी देशों से भारत के अच्छे रिश्ते हैं। जी-7 की साझी सोच भारत के साथ साझेदारी की है। जी-7 पहले से ही दबाव में है क्योंकि ब्रिक्स की बढ़ती छवि और ब्रिक्स देशों की कलेक्टिव जीडीपी ग्लोबल जीडीजी का करीब 37 पर्सेंट हो गई है। जबकि जी-7 की जीडीपी सिर्फ 30 पर्सेंट है। जी-7 के देश भारत से अपना तालमेल बिगाड़ना नहीं चाहेंगे।अब अगले साल कनाडा जी-7 शिखर सम्मेलन को होस्ट कर रहा है। कई सालों से लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 में विशेष अतिथि के तौर पर जाते रहे हैं। कनाडा क्या निमंत्रण देगा और क्या प्रधानमंत्री मोदी जाएंगे? और जी-7 के बाकी देश क्या करेंगे? इस पर भी सबकी नजरें रहेंगी।

मानवता के निरंतर विकास में सत्य की आधारभूत भूमिका

मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानो में समय-समय पर नवीन मूल्यों की स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन और प्रगति प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है। सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम,सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है। भारतीय संस्कृति एवं परंपरा सत्य के मूल्य को सर्वोत्कृष्ट है उस सर्वोच्च मानती है। इसे मन वचन और कर्म में अद्वैत के स्तर तक निश्चित अकाट्य और सदैव अपरिवर्तनीय ही माना गया है, लोक जीवन का 'सांच को आंच नहीं' जैसी कहावतें और मूल्य जनजीवन में अंतरतम तक समाए हुए है। मुंडक उपनिषद में उल्लेखित ׅसत्यमेव जयतेׅ आज भारतीय गणतंत्र का आदर्श वाक्य है, जो भारतीय दर्शन और जीवन की अभिव्यक्ति भी है। यह उल्लेखनीय है कि वैदिक दर्शन से लेकर जैन व बौद्ध दर्शन तक इस्लाम ईसाई धर्मों से लेकर सिख गुरुओं तक सत्य का महत्व और निर्विवाद सर्वोच्च स्थान सर्वमान्य रूप से स्वीकार्य किया गया है।

यूरोप में औद्योगिक क्रांति के बाद तो भोग दर्शन में क्रांतिकारी परिवर्तन हुए और आर्थिक तत्व का महत्व वैश्विक तथा आंतरिक जीवन का सबसे प्रमुख निर्धारक तथ्य बनने लगा। पश्चिमी देशों में पूंजीवादी, उदारवादी संस्कृति के विकास का प्रभाव पूरे विश्व पर पर्याप्त मात्रा में पड़ा और वैश्विक स्तर पर मूल्यों में नैतिक स्तर पर परिवर्तन आने लगे।

आधुनिक युग वैश्वीकरण, उदारीकरण और आर्थिक विकास का युद्ध इस युग में अर्थ अथवा धनबल अपनी अकूत शक्ति के बल पर पूरी सभ्यता व व्यवस्था का केंद्रीय तत्व बनकर उभरा है। धन बल पर आधारित इस युग में स्थिति यह बन गई है कि राजनीति, समाज, धर्म, अध्यात्म, अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यावरण ,ज्ञान विज्ञान ,जीवन दर्शन सभी अर्थ व धन के निर्देशों के अनुरूप ही चलन में आ गए हैं। धन के बल पर आज पारिवारिक संबंधों सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा राजनैतिक शक्ति,संतुलन, आध्यात्मिक स्तर पर प्रभाव नैतिक स्तर पर सहमति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंधों को केवल प्रभावित ही नहीं कर रहे हैं अपितु उन्हें लगभग खरीदने की ताकत रखने जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इसके बावजूद सत्य के मूल्य को और उसकी सार्वभौमिकता को दबाना या शांत करना या उसके दमन के लिए उसे विवश करना लगभग असंभव है। वैश्विक स्तर पर कुछ अमीर देश और मुट्ठी भर धनाढ्य व्यक्ति इस बात को मान्यता देते हैं कि जब ,धन बोलता है तो सत्यम मौन रहता है, पर सार्वजनिक रूप से ऐसा मानना तार्किक स्तर पर जरूर ठीक लगता हो पर दार्शनिक अथवा सांस्कृतिक एवं धार्मिक रूप से यह पूर्ण रूप से असत्य भी है। पारिवारिक सामाजिक स्तर पर भी देखें तो समाज के नैतिक मूल्यों में आई गिरावट के परिणाम स्वरूप सामाजिक प्रतिष्ठा उसी को प्राप्त होती है जिसके पास पर्याप्त तथा अकूत धन हो। धनवान व्यक्ति की विचारधारा उसकी मान्यताओं को समाज महत्व देता है एवं उसे प्रेरणा का स्त्रोत माना जाता है। निर्धन व्यक्ति कितना भी विद्वान ऊजार्वान हो उसकी बातें सत्य पूर्ण सत्य तथा उदास बातें भी समाज में कई उदाहरणों में महत्वहीन हो जाती है। धन तथा बाहुबल के महत्व के अनेक उदाहरण राजनीतिक स्तर पर प्रतिदिन हमारे सामने आने लगे हैं। राजनीतिक जीवन में धन के बल पर किए जाने वाले भ्रष्टाचार, चुनाव में धांधली, मतदाताओं की खरीद-फरोख्त, पार्टियों पर अनुचित प्रभाव मीडिया चैनल न्यूज प्रिंट मीडिया आदि की खरीदारी सत्य के मूल्यों पर प्रश्नचिन्ह लगा देते हैं। आज धन व सत्ता का अनुचित प्रयोग सत्य का दमन तथा उसे नकारने की शक्ति बन चुका है। कई राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के सर्वे के अनुसार उसके सूचकांक में भारत का निम्न स्थान धन के बल पर सत्ता प्रतिष्ठानों को प्रभावित करने बढ़ती घूसखोरी, सरकारी गैर सरकारी, कारपोरेट जगत के बढ़ते नैतिक पतन को उजागर करता है। विधायिका, न्यायपालिका तथा कार्यपालिका सभी स्तरों पर सत्य के मूल्य के दमन की घटनाओं से आज अखबार अटा पड़ा है। आज की स्थिति में निचले स्तर से उच्च स्तर की अदालतों तक न्याय पाने के लिए महंगे वकील करने के लिए धन की अत्यंत आवश्यकता होती है, न्याय भी अब धन पर आधारित हो गया है। न्याय पाना अब गरीबों का हक नहीं रह गया है,यह केवल अमीर लोगों की मुट्ठी में बंद होकर रह गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिखने वाली बराबरी अनेक बार सत्य को दबाकर दादागिरी के बल पर अमीर देशों की जिद की भेंट चढ़ जाती है। अमीर देशों की धन के दम पर दादागिरी कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों में दिखाई देती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन पर होने वाले वैश्विक सम्मेलन इसीलिए भी असफल होते दिखाई दिए हैं। क्योंकि अमीर देश कार्बन उत्सर्जन की मात्रा की जिम्मेदारी ज्यादा जनसंख्या वाले विकासशील देशों के सिर पर डाल देते हैं। सत्य की मनमानी व्याख्या आधुनिक युग की सच्चाई है सत्य का दमन इस स्तर पर पहुंच चुका है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत स्तर पर दिन में कितनी बार धनबल के दबाव में अपने अंतःकरण से समझौता कर अपनी सहज प्रवृत्ति का दमन करने से नहीं चूकता है।

और अंत में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवं सर्वकालीन है।

किसान आंदोलन के नाम पर हुए बवाल का जो सच सामने आया है उससे देश को सतर्क हो जाना चाहिए

जाहिर है कांग्रेस पार्टी गुरनाम सिंह चढ़ूनी के बयान से किनारा ही करेगी लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों के नाम पर खड़ा किया गया आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक था और इसका एकमात्र मकसद मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करना था।

देश ने हाल के कुछ वर्षों में कई आंदोलन देखे। सबसे पहले जन लोकपाल के लिए आंदोलन हुआ। इस आंदोलन को मिले समर्थन के बलबूते अरविंद केजरीवाल सत्ता की सीढ़ियां चढ़ कर अपनी मंजिल पर पहुँच गये लेकिन दिल्ली में जन लोकपाल नहीं बनाया। देश ने दिल्ली में हरियाणा के कुछ पहलवानों का आंदोलन भी देखा। यह पहलवान राजनीति के अखाड़े में कूदने के लिए उसी खेल को नुकसान पहुँचाते रहे जिसकी बदौलत उन्होंने दौलत और शोहरत कमाई। देश ने किसान आंदोलन भी देखा। किसानों के कल्याण और उनके बेहतर भविष्य के लिए मोदी सरकार जो तीन कानून लेकर आई उसके बारे में भ्रम फैला कर देशभर में किसानों का आंदोलन खड़ा कर दिया गया जिसके चलते सरकार को तीनों कृषि कानून वापस लेने पड़े। खुद को किसान कहने वाले आंदोलनकारियों ने कानून व्यवस्था का भी खूब मजाक बनाया और सरकार को झुकाने का अभियान सफलतापूर्वक चलाकर दिखाया। मगर अब इस किसान आंदोलन का सच एक प्रमुख आंदोलनकारी ने ही देश के सामने रख दिया है। हम आपको बता दें कि भारतीय किसान यूनियन के चढ़ूनी गुट के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में माहौल बनाया था। मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा है कि किसानों ने हरियाणा में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया था, लेकिन पार्टी ने सब कुछ वरिष्ठ नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर छोड़ दिया था। संयुक्त संघर्ष पार्टी के संस्थापक चढ़ूनी ने विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण यही बताया है। चढ़ूनी के बयान पर सियासत भी शुरू हो गयी है और भाजपा ने कांग्रेस से इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण की मांग भी की है। जाहिर है कांग्रेस चढ़ूनी के बयान से किनारा ही करेगी लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि किसानों के नाम पर खड़ा किया गया आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक था और इसका एकमात्र मकसद मोदी सरकार को सत्ता से बाहर करना था। समय-समय पर इस आंदोलन से जुड़े तमाम सच सामने आते ही रहे हैं। टूलकिट गैंग के सदस्यों ने भोले भाले किसानों को बरगला कर अपने राजनीतिक हित तो साध लिये मगर अन्नदाता का नुकसान करवा दिया।

आम किसानों का कैसे अपने राजनीतिक हितों के लिए इन तथाकथित किसान नेताओं ने दुरुपयोग किया यह हमने लोकसभा चुनावों के दौरान भी देखा था। तीनों कृषि कानून काफी पहले ही यानि साल 2022 के अंत में ही वापस लिये जा चुके थे लेकिन उसके बावजूद 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान पंजाब में भाजपा के सभी उम्मीदवारों के घर के बाहर बड़ी संख्या में किसानों को धरने पर बैठा दिया गया था। पंजाब में चुनाव प्रचार की कवरेज के दौरान जब मैंने संगरूर, लुधियाना, अमृतसर, पटियाला आदि क्षेत्रों में धरने पर बैठे लोगों से पूछा कि आपकी मांगें क्या हैं तो सबका जवाब एक ही था कि सारी समस्याओं के हल तक हम यहां से नहीं हटेंगे। जब मैंने पूछा कि समस्याएं क्या हैं तो हर जगह से यही जवाब मिला कि स्कूल अच्छे बनने चाहिए, अस्पतालों में सारी सुविधाएं होनी चाहिए, सड़कें अच्छी बननी चाहिए। स्पष्ट था कि यह धरना प्रदर्शन भी एक टूलकिट का हिस्सा था। लोकसभा चुनावों के लिए मतदान होते ही यह प्रदर्शनकारी भाजपा उम्मीदवारों के घर के बाहर से हट गये। ऐसा लगा कि उनकी सारी समस्याओं का या तो समाधान हो गया है या टूलकिट के तहत दिया गया टास्क पूरा हो गया है। वैसे जहां तक चढ़ूनी की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने हरियाणा में कुरुक्षेत्र की पेहोवा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा था। यहां जनता ने मात्र 1170 वोट देकर उनकी जमानत तक जब्त करा दी। हम आपको यह भी याद दिला दें कि इन तथाकथित किसान नेताओं ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनावों में भी किस्मत आजमाई थी। पंजाब की 31 में से 22 किसान यूनियनों ने संयुक्त समाज मोर्चा नामक पार्टी बनाकर चुनाव लड़ा था और किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल को अपना मुख्यमंत्री उम्मीदवार भी घोषित किया था। लेकिन एक को छोड़कर इनके बाकी उम्मीदवार अपनी जमानत तक नहीं बचा पाये थे। अब हरियाणा में भी इस पार्टी का जो हश्र हुआ है उससे साफ है कि आम जनता और आम किसानों का समर्थन इन लोगों के पास कभी भी नहीं था। विदेशी इशारे पर और विदेशी पैसे के बलबूते भारत की छवि को खराब करने और सरकार के खिलाफ माहौल बनाने का जो षड्यंत्र रचा गया था उसका सच सामने आ चुका है। यह समय है कि देश सतर्क हो जाये और गैर-राजनीतिक आंदोलनों की असली मंशा को पहचाने। बहरहाल, चढ़ूनी के बयान पर हमलावर होते हुए भाजपा ने कहा है कि जिस किसान आंदोलन को सहज और स्वाभाविक बताया गया था, वह दरअसल कांग्रेस की ओर से ह्यप्रायोजित और पोषितह्न था। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा है कि चढ़ूनीजी का जो वक्तव्य आया है, उसने एक बार फिर उजागर कर दिया है कि कांग्रेस की जमीन के अंदर क्या छुपा हुआ है। उन्होंने कहा है कि इससे एक बात बहुत साफ हो गई है कि जिस आंदोलन को सहज और स्वाभाविक आंदोलन कहा जा रहा था, वह कांग्रेस के द्वारा प्रायोजित और पोषित आंदोलन था।

-नीरज कुमार दुबे

हर साल 16 अक्तूबर को मनाया जाता है वर्ल्ड फूड डे, जानिए इतिहास और महत्व

आज यानी की 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन दुनिया को भोजन का महत्व बताने और फूड सेफ्टी व भूख से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए मनाया जाता है।

हर व्यक्ति के जीवन में रोटी, कपड़ा और मकान की बहुत जरूरत होती है। इन तीनों ही चीजों का महत्व समझना बहुत जरूरी होता है। आज यानी की 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन दुनिया को भोजन का महत्व बताने और फूड सेफ्टी व भूख से जुड़े मुद्दों के प्रति जागरुकता फैलाने के लिए मनाया जाता है। बता दें कि दुनिया में बढ़ रही आबादी भुखमरी की संभावना को बढ़ा रही है। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको वर्ल्ड फूड के का इतिहास, थीम और महत्व के बारे में बताने जा रहे हैं।

इतिहास- साल 1945 में फूड एंड एग्रीकल्चर ऑगेनाईजेशन ने विश्व खाद्य दिवस की स्थापना की थी। वहीं साल 2014 से इस दिन को मनाया जाने लगा था। बीते कुछ सालों में विश्व खाद्य दिवस के दिन फूड सेफ्टी और एग्रीकल्चर के अलग-अलग पहलुओं पर ध्यान दिया जाता है। इस दिन लोगों के बीच सेहतमंद खाना खाने के लिए जागरुक किया जाता है।

थीम- बता दें कि हर साल वर्ल्ड फूड डे के मौके पर एक खास थीम रखी जाती है। वर्ल्ड फूड डे के मौके पर इस साल 'बेहतर जीवन और बेहतर भविष्य के लिए भोजन का अधिकार' थीम रखी गई है।

महत्व

इंसान या फिर किसी भी जीव को सेहतमंद बनाए रखने के लिए खाना बेहद जरूरी होता है। यही कारण है कि अक्सर हमारे बड़े-बूढ़े कहते हैं कि खाने को बर्बाद नहीं करना चाहिए। खाने से हमारे शरीर को एनर्जी मिलती है और इससे मसल्स भी रिपेयर होते हैं और घाव भी भरते हैं। हेल्दी खाना खाने से आपकी न सिर्फ फिजिकल बल्कि मेंटल हेल्थ भी मजबूत होती है।

आदित्य दुबे, विवेक उपाध्याय और दीपक ठाकुर को भाजपा युवा मोर्चा में मिली बड़ी जिम्मेदारी

भायंदर (उत्तरशक्ति)। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले मीरा भायंदर भाजपा युवा मोर्चा ने अपनी नयी कार्यकारिणी का ऐलान कर दिया है. 145 विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास और जिला अध्यक्ष किशोर शर्मा के मार्गदर्शन मे जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष पंकज (दरोगा) पांडेय ने अपनी नयी टीम की सूची जारी की.जिसमे भाजपा के युवा और निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप मे काम कर रहे आदित्य दुबे और विवेक उपाध्याय को जिला महामंत्री के रूप मे अहम जिम्मेदारी सौपी गयी है.वही युवा और नये चेहरे के रूप मे दीपक ठाकुर को युवा वारियर जिला अध्यक्ष की जवाबदारी दी गयी.इस नयी कार्यकारिणी मे 7 जिला महामंत्री, 13 जिला उपाध्यक्ष और 21 जिला सचिव के साथ ही रतन शर्मा को जिला कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है. भाजपा युवा मोर्चा अध्यक्ष जिला अध्यक्ष पंकज (दरोगा) पांडेय का कहना है की आगामी विधानसभा चुनावों मे युवाओं की भूमिका काफी अहम होंगी और पार्टी के प्रचार प्रसार मे ये टीम पूरी तरह से समर्पित होकर काम करेंगी. वही 145 मीरा भायंदर भाजपा विधानसभा चुनाव प्रमुख एड. रवि व्यास ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाये देते हुए विश्वास जताया की ये युवा टीम इस बार मीरा भायंदर मे कमल खिलाने के लिए दृढ़ संकल्पित है.

नागरी संरक्षण दल पालघर ने तीसरे दिन नागरी संरक्षण स्वयंसेवकों को दिया गया प्रायोगिक प्रशिक्षण

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र सरकार गृह विभाग (विशेष) के पालघर जिला के नागरी संरक्षण दल की ओर से नागरिकों को नागरी संरक्षण स्वयंसेवक के तौर पर तैयार करने हेतु पांच दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ सोमवार 14 अक्टूबर 2024 को पालघर जिले के बोईसर शहर के पास स्थित सरावली ग्राम पंचायत भवन के सभागृह में मान्यवरों की विशेष उपस्थित में किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 14 अक्टूबर से नित्य दोपहर 2 बजे शाम 5:30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर के माध्यम से अब तक मुख्य तीन बिंदुओं में प्राथमिक उपचार, फायर तथा रेस्क्यू ऑपरेशन विषय पर प्रायोगिक तरीके से सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन 16 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सहायक उप नियंत्रक के.आर. कुरकुटे के मार्गदर्शन में सभी प्रशिक्षणार्थियों को विभागीय क्षेत्ररक्षक पालघर(वाडा) नीलेश वझे, विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के तथा प्रशिक्षक नरेंद्र सोलंकी ने विभिन्न प्रकार की आग के बारे में जानकारी देते हुए उससे निपटने अथवा बुझाने के तरीकों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देने के पश्चात त्रिकोणीय बैंडेज, रोलर बैंडेज, स्क्रैप बैंडेज के साथ ही साथ इमरजेंसी रेस्क्यू ऑपरेशन के बारे में प्रायोगिक जानकारी साझा की। इस अवसर पर प्राध्यापक सुरेंद्र कदम, कार्यक्रम की अयोजिका सुवर्णा महामुनि, वित्तीय सलाहकार उज्वला कोकणे, ग्राम पंचायत सदस्य दिनेश संखे के अलावा बड़ी संख्या में पुरुष एवं महिला प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

टाटा एआईए और नागालैंड सरकार की साझेदारी क्षेत्र के लोगों को जीवन बीमा प्रदान करेगी

मुंबई/पटना। भारत की अग्रणी जीवन बीमा कंपनियों में से एक टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस (टाटा एआईए) के साथ नागालैंड सरकार ने चीफ मिनिस्टर्स यूनिवर्सल लाइफ इन्शुरन्स स्कीम (सीएमयूएलआईएस) को लागू करने के लिए साझेदारी की है। इस योजना के तहत, परिवार के मुख्य कमाने वाले सदस्य को 2 लाख रुपये का जीवन बीमा कवर प्रदान किया जाएगा। परिवार में कमाने वाले व्यक्ति की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की स्थिति में परिवारों को आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना इस योजना का उद्देश्य है। विशेष रूप से असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले या कम आय वाले समूहों जैसे समाज के कमजोर वर्गों की मदद करना इसका लक्ष्य है। इस योजना के तहत, परिवार में 18-60 वर्ष की आयु के किसी भी सदस्य को प्राथमिक कमाने वाला सदस्य या कमाने वाला व्यक्ति नामित किया जा सकता है। इसी आयु वर्ग के सरकारी कर्मचारियों को स्वचालित रूप से अपने परिवार के लिए प्राथमिक कमाने वाला माना जाएगा। बीमा प्रीमियम की लागत को राज्य सरकार कवर करेगी। इस ऐतिहासिक अवसर पर टिप्पणी करते हुए, नागालैंड के माननीय मुख्यमंत्री, श्री नेफ्यू रियो ने कहा, ₹मैं टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स के साथ साझेदारी करके और नागालैंड के कामकाजी लोगों के लिए इस योजना को लॉन्च करके बेहद खुश हूं। इस कार्यक्रम के माध्यम से, हम नागा लोगों के लिए जीवन बीमा सुलभ बना रहे हैं। हमें उम्मीद है कि नागालैंड में कमाने वाली पूरी आबादी को इस योजना के तहत नामांकित किया जाएगा, जिससे कई परिवारों की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित होगी। टाटा एआईए लाइफ इन्शुरन्स के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री वेंकी अय्यर ने कहा, ₹नागालैंड में चीफ मिनिस्टर्स यूनिवर्सल लाइफ इन्शुरन्स स्कीम का हिस्सा बनने पर हमें गर्व महसूस हो रहा है। सरकार की इस ऐतिहासिक पहल से नागालैंड के लोग, खास तौर पर कमजोर वर्गों या असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले लोग, जीवन बीमा की सुरक्षा से लाभान्वित हों। यह समावेशी योजना नागालैंड के परिवारों के लिए वित्तीय सुरक्षा और मानसिक शांति सुनिश्चित करेगी।

मुझे खुशी है कि इस कबड्डी प्रतियोगिता से राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों का चयन होगा : विधायक राजेश पाटील

◆65वें राज्य स्तरीय बालक कबड्डी टूनार्मेंट का खिताब कोल्हापुर डिवीजन ने जीता व पुणे डिवीजन टीम उपविजेता बनी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिला खेल अधिकारी कार्यालय पालघर की ओर से के हमारे निर्वाचन क्षेत्र को पालघर जिले में पहली बार राज्य स्तरीय कबड्डी टूनार्मेंट का सम्मान मिला है, मुझे इस पर गर्व है। इन प्रतियोगिताओं के आयोजन के दौरान राज्यों के बीच प्रतियोगिता की जिम्मेदारी पाने की होड़ मची रहती है, यह प्रतियोगिता हमारे जिले को मिली है। कबड्डी के खेल को बढ़ावा देने के लिए मैंने व्यक्तिगत रूप से खेल मंत्री मुख्यमंत्री से मुलाकात की और इस टूनार्मेंट को पालघर जिले में आयोजित करने का आग्रह किया था जिसकी वजह यह प्रतियोगिता आयोजित की जा सकी। उक्त बातें कबड्डी प्रतियोगिता के उद्घाटन के दौरान विधायक राजेश पाटील ने बोलते हुए कही।

65वीं राज्य स्तरीय स्कूल कबड्?डी प्रतियोगिता का भव्य उद्घाटन समारोह डॉ. पांडुरंग वामन अमृते शिक्षा संस्थान सफाले के राजगुरु एच.एम. पंडित स्कूल मैदान में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन विधायक राजेश पाटील के शुभ हाथों किया गया।इस दौरान विधायक राजेश पाटील बोलते हुए कहा कि मुझे खुशी है कि पालघर जिले में कबड्डी को बढ़ावा देने की मेरी इच्छा पूरी हो गई है। मैं पालघर जिले में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए हर तरह का सहयोग दूंगा, अगले वर्ष राष्ट्रीय प्रतियोगिता आयोजित करने के लिए जो भी मदद की आवश्यकता होगी मैं जनता के प्रतिनिधि के रूप में करने के लिए तैयार हूं। पाटील ने यह भी कहा कि हितेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में जो भी मदद की जरूरत होगी मैं करूंगा। प्रो-कबड्डी के कारण पेशेवर खिलाड़ी तैयार होने लगे हैं। कबड्डी खेल का नेटवर्क बनाने के लिए खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से भी मजबूती मिल रही है, खेल संघ और व्यापारियों के संघ को उन्हें पहल करनी चाहिए, यदि आप उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं तो राज्य स्तर पर राष्ट्रीय स्तर पर। सरकारी नौकरियों में पा सकते हैं सीधी भर्ती वर्ग एक दो तीन खिलाड़ियों के लिए पांच प्रतिशत आरक्षण रखा गया है। पाटील ने यह भी कहा कि पालघर जिले के एथलीट भविष्य में ओलंपिक स्तर पर कैसे खेलेंगे, इस पर खेल विभाग को ध्यान देना चाहिए। इस अवसर पर मंच पर समाज कल्याण सभापती मनिषा निमकर, पूर्व जिला परिषद अध्यक्षा वैदेही वाढाण, सरपंच तनुजा कवली, सरपंच प्रथमेश भोईर, जिला कबड्डी असोसिएशन के अध्यक्ष प्रविण राऊत, टीमा इंडस्ट्री के सचिव शिवरंजन गुप्ता, कोषाध्यक्ष उदयन सावे, रणबीर शर्मा, निलेश पाटील, भुजंग शेट्टी, प्रशांत संखे, अविनाश चुरी, सफाले पोलीस स्टेशन के सपोनि दत्ता शेलके, चयन परीक्षण सदस्य सुयोग गोरले, प्रशांत चव्हाण, सायली जाधव, जिला क्रीडा अधिकारी सुहास व्हनमाने, अमृत घाडगे, प्रीतीश पाटील, सिद्धार्थ वाघमारे।

डॉ मंजू लोढ़ा की नई पुस्तक शब्दानुभूति के कवर पेज का विमोचन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। देश की सुप्रसिद्ध साहित्यकार तथा लोढ़ा फाउंडेशन की चैयरमैन डॉ मंजू मंगलप्रभात लोढ़ा की नई पुस्तक शब्दानुभूति के आकर्षक कवर पेज का विमोचन 13 अक्टूबर को गिरगांव चौपाटी पर जनता की पुकार द्वारा आयोजित 46 वे विराट कवि सम्मेलन के अवसर पर किया गया। विशेष अतिथि के रूप में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा, पूर्व विधायक राजपुरोहित, मंच संचालक डॉ प्रवीण शुक्ला, तथा आमंत्रित कविगण डॉ सुनील जोगी कविता तिवारी, सुदीप भोला, हेमंत पांडे के अलावा मार्गदर्शक विनोद लाड, अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल, हरि सत्संग समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण काबरा, जनता की पुकार के कार्यवाहक अध्यक्ष, सुरेश चंद्र अग्रवाल, पवन मल्लावत, महावीर गुप्ता समेत अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। डॉ लोढ़ा ने बताया कि यह पुस्तक उनकी स्वरचित चुनिंदा कविताओं का संग्रह है। इसके पहले उनकी लिखी पुस्तकें काफी लोकप्रिय रही हैं।

कांग्रेस ने मुलुंड में बजाया चुनावी बिगुल

कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने संभाला मोर्चा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। धारावी के आड़ में मुलुंड सहित अन्य जगहों को सरकार द्वारा दिए जा रहे जमीन के खिलाफ एक नया मोड़ आते दिखाई दे रहा है। मुलुंड में कांग्रेस प्रवक्ता राकेश शेट्टी ने आम नागरिकों को लेकर एक सभा का आयोजन किया। जिसमें उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस विधायक मिहिर कोटेचा को चश्मा भेजा है। उन्होंने कहा कि, लोकसभा में झूठे दावे कर मुलुंड की जनता को साथ विश्वासघात करने वाले नेता को हम चश्मा भेज रहे हैं । वह इस चश्मे को पहन कर देखें की उन्होंने जितना मुलुंडकरो से धारावी के अपात्र को बसाने के बहाने अडानी को 1 इंच जमीन न देने का वादा किया था।वो सब झूठे निकले । अब मुलुंड की करीब 58 एकड़ जमीन अदानी के झोली में दे रहे हैं। जिसका हम सब कड़ा विरोध करते हैं।

मुलुंड के विधायक मिहीर कोटेचा अपने आकाओं द्वारा मुलुंड को बर्बाद करने के लिए गए फैसले खिलाफ नहीं जा सकते लेकिन, हम अडानी के गुलाम नहीं है। इसलिए हम विरोध करते हैं। मुलुंड का इंफ्रास्ट्रक्चर पहले से ही काफी कमजोर है। बारिश में मुलुंड डूबता है। अब इतना अधिक लोड से मुलुंड के बुनियादी सुविधाएं खत्म हो जाएंगी। पहले से जो भी आंदोलन हो रहा है उसको हमारा पूरा समर्थन है। महाराष्ट्र में हमारी सरकार बनते ही सबसे पहले भाजपा के इस पूरे

निर्णय को हम निरस्त करवाएंगे। आयोजन की मुख्य अतिथि सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि यह सिर्फ मुलुंड नहीं अपितु पूरे मुलुंड को लूटने की साजिश चल रही है। हमारी मविआ की सरकार आएगी तो हम धारवीकरों के साथ चल रहे इस षड्यंत्र को समाप्त करेंगे। धारावी के लोगों का पुनर्वसन हम धारावी में ही करेंगे। धारावी डेवलपमेंट के नाम पर अदानी को खैरात में दी जा रही मुलुंड सहित मुंबई की सभी जमीन का जीआर रद्द कर मुंबईकरों की जमीन बचाएंगे। इस सभा में मुलुंड कांग्रेस 6 ब्लॉक अध्यक्ष, सेवादल, एनएसयूआई, यूथकांग्रेस, इंटेक, सहित सैकड़ो की संख्या में मुलुंडकरों ने भाग लिया था। उनका कहना है जो हमारे जमीन की रक्षा करेगा वही हमारे मुलुंड पर राज करेगा।

चिंचणी तारापुर शिक्षण संस्था के व अन्य संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में वाचन प्रेरणा दिवस आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। चिंचणी तारापुर शिक्षण संस्था, पी. एल ऑफ कॉलेज, पुस्तकालय - कला अकादमी विभाग और कोंकण मराठी साहित्य परिषद बोईसर-तारापुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान 15 अक्टूबर को वाचन प्रेरणा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस मौके पर संस्था के चेयरमैन एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष रजनीकांत भाई ऑफ ने अपने बहुमूल्य विचार रखते हुए कहा कि पढ़ना एक महान कौशल है। पढ़ने से हमें विभिन्न विषयों की जानकारी मिलती है। पुस्तकें पढ़ने के साथ-साथ समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, वार्षिक अंक पढ़ना आवश्यक है। एक अच्छा इंसान बनने के लिए अच्छा साहित्य पढ़ना चाहिए। किताबें गुरु हैं। को.म.सा.प. बोईसर-तारापुर के अध्यक्ष प्रो. संजय घरात ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पढ़ना, लिखना, सुनना और लागू करना सीखने की प्रक्रिया में बुनियादी कौशल हैं। पढ़ना एक शक्तिशाली और समृद्ध व्यक्तित्व-निर्माण प्रक्रिया है।

'पढ़ने से हमारी शब्दावली बढ़ती है, हमारा क्षितिज विस्तृत होता है। भाषा पर पकड़ मजबूत होती है। किताबें आपका पहला प्यार होनी चाहिए। किताबें ज्ञान के साथ-साथ जीने और कल्पना करने की भी गुंजाइश देती हैं। हम भाषा की सुंदरता, उसकी सामग्री के साथ खुद को भूल जाते हैं। ऐसे कई उदाहरण देते हुए को.म.सा.प. के जिला प्रतिनिधि सुहास राऊत ने छात्रों को पठन प्रेरणा दिवस के महत्व के बारे में आश्वस्त किया। इस अवसर पर को.म.सा.प. सदस्य संदीप घरत, अंजना सावे, कॉलेज की प्रो. डॉ.प्रेरणा राऊत, डॉ. विशाल वाणी, लाइब्रेरियन निकिता मोदले और कला विभाग के प्रथम वर्ष के मराठी विषय के छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम का प्रास्ताविक महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्या डॉ. सुचिता करवीर द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन मराठी के प्रोफेसर कीर्तनकर डॉ.ज्ञानेश्वर भोसले तथा अण्णा डोंगरदिवे ने सभी उपस्थित जनों के प्रति आभार जताया।

अंधेरी एमआईडीसी में हुआ सैकडों करोड़ का घोटाला, विकासक के खिलाफ धरने पर बैठी जनता

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जहां केंद्र सरकार द्वारा गरीबों को घर देने का प्रयास किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ अंधेरी पूर्व के एमआईडीसी में गरीबों का घर छीनकर उन्हें बेघर कर दिया गया है। और इसमें भूखंड क्रमांक 18,26 व सी7 और सी8 में हजारों फ्लैट बनाये गये हैं। झोपड़पट्टी पुनर्वसन योजना के तहत हुआ घोटाला। क्षेत्र के विकासक बिल्डर विमल शाह द्वारा इस योजना के तहत घर बनाना था और बनाया भी गया । परंतु जिसे मिलना था उन्हें नही मिला । उन घरों में वह रह रहे हैं जिनका यहां कुछ भी नही था। विमल शाह के खिलाफ जनता धरने पर। जनता का सब्र का बांध टूट गया और सैकड़ो की संख्या में लोग विकासक विमल शाह व भाजपा नेता मुरजी पटेल के विरुद्ध उद्योग सारथी कार्यालय के सामने उपोषण और आमरण अनशन पर बैठ गये है। धरने पर बैठे अविनाश राठौर ने बताया कि 239 फ्लैट का घोटाला हुआ है। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व नगरसेवक मुरजी पटेल मुख्य

भूमिका में है। और पटेल ने गरीबों का आशियाना उजाड़ दिया और योजना के तहत मिले घरों को मिलीभगत कर मोटी रकम लेकर बाहर के लोगों को घरों में रहने के लिए घुसा दिया। और असली घर मालिक दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर है। और लोगों ने यहां तक बताया कि हमें ना घर मिला और ना ही घर भाड़ा मिल रहा है। वहीं चुनावी आचार संहिता लागू होने के कारण विकासक के खिलाफ शुरू हुआ आंदोलन दो दिन में ही समाप्त हो गया।

137 भिवंडी पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र मतदाताओं को सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करेगा-चुनाव अधिकारी अमित सानप

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। चुनाव अधिकारी द्वारा विधानसभा चुनाव के बारे में पत्रकार परिषद में जानकारी देते हुये बताया कि 137 भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,70,045 मतदाता हैं। इनमें पुरुष मतदाता 213569 हैं जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 156289 तृतीय पंथी मतदाता 187, विदेशी नागरिक 02, सर्विस मतदाता 14, दिव्यांग मतदाता 1557 और 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता 691 हैं । 137 भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र के चुनाव अधिकारी अमित सानप ने बताया कि मतदान केंद्र पर मतदाताओं को सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी । विधानसभा चुनाव की पृष्ठभूमि में प्रारंभिक तैयारियों की समीक्षा को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया । उस वक्त चुनाव निर्णय अधिकारी सनप प्रेस से बातचीत करते हुए बोल रहे थे ।

चुनाव रिटर्निंग अधिकारी अमित सानप ने आगे कहा कि इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 84 मतदान केंद्रों में से 328 मतदान केंद्रों और सात अतिरिक्त मतदान केंद्रों सहित कुल 335 मतदान केंद्र हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल मतदान प्रतिशत 46.94 प्रतिशत, विधानसभा 2019 में 47 प्रतिशत और लोकसभा 2024 में 49.69 प्रतिशत रहा । मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए स्वीप के माध्यम से

मतदाताओं को जागरूक कर मतदान का प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा । 85 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए घर पर मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी । इसके लिए उन्हें एप के माध्यम से पंजीकरण कराना होगा । विशेष मतदाता, सैन्य मतदाता, चुनाव ड्यूटी पर मतदाता, ऐसे मतदाता जो 12डी के अनुसार मतदान के लिए वास्तविक मतदान केंद्र पर उपस्थित नहीं हो सकते, उन्हें घर से मतदान की सुविधा प्रदान की जाएगी । चुनाव संबंधी विभिन्न ऐप तैयार किए गए हैं और सीवीजीआईएल ऐप सभी मतदाताओं के लिए है । इसके माध्यम से नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं । इन शिकायतों का निवारण 100 मिनट के भीतर किया जा सकेगा और शिकायत करने वाले नागरिक का नाम गोपनीय रखा जाएगा । केवाईसी एप के माध्यम से उम्मीदवार की आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्ति आदि की जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई जाएगी । इस विधानसभा क्षेत्र में आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गई है । इसलिए किसी भी प्रत्याशी को चुनाव प्रचार के लिए सभी प्रकार की अनुमति लेनी होगी । बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की कोई भी प्रचार सामग्री प्रकाशित या प्रचारित नहीं की जा सकती । चुनाव कार्य के लिए टोल फ्री नंबर 1800 233 1114 लैंड लाइन नंबर। 02522-230200 दिया गया है। चयन समिति एफएसटी, एसएसटी, वीएसटी पथक का गठन किया गया है । यह टीम 24 घंटे काम करेगी । इस निर्वाचन क्षेत्र में कोई भी संवेदनशील मतदान केंद्र नहीं है । 50 फीसदी मतदान केंद्रों को वेबकास्ट किया जाएगा । निर्वाचन निर्णय अधिकारी अमित सनप ने बताया कि मतदान केंद्र पर पर्याप्त छाया मंडप, कुर्सियां, पेयजल सुविधा, मतदाताओं को लाने-ले जाने के लिए वाहन सहित दिव्यांग मतदाताओं के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था की जाएगी ।

सत्ता में आने पर एमवीए सरकार लाडकी बहिन योजना और टोल माफी के फैसले को बरकरार रखेगी: आदित्य ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि अगर महाराष्ट्र में महाविकास अघाडी (एमवीए) सत्ता में लौटती है तो वह मौजूदा महायुति सरकार की लाडकी बहिन योजना और मुंबई के प्रवेश बिंदुओं पर टोल न लेने के फैसले को भी बरकरार रखेगी। आदित्य ठाकरे ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार द्वारा दिन में अपनी सरकार के कामकाज का ब्योरा देने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य के लोगों ने अब उनका निर्वासन कार्ड तैयार कर लिया है।

उन्होंने आरोप लगाया, महायुति सरकार के तहत राज्य से व्यवसाय और नौकरियां बाहर भेज दी गईं। ठाकरे ने कहा कि महाविकास अघाडी सरकार बहु-अरब डॉलर की धारावी पुनर्विकास परियोजना की निविदा से परे दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि को खत्म कर देगी। उन्होंने दावा किया कि धारावी पुनर्विकास परियोजना का क्रियान्वयन कर रहे अडानी समूह को मुंबई में 1,080 एकड़ जमीन दी जा रही है। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले मंत्रिमंडल की पिछली कई बैठकों में की गई कई सौगातों की घोषणा की आड़ में सरकार ने अडानी समूह को लाभ पहुंचाने के लिए फैसले लिए हैं। उन्होंने कहा, लाडकी बहिन योजना और टोल न लेने का फैसला सरकार ने पहले क्यों नहीं लिया? हम लाडकी बहिन योजना और टोल न लेने के फैसले को बरकरार रखेंगे। इतना ही नहीं हम इसे (लाडकी बहिन योजना के तहत दी जाने वाली वित्तीय सहायता की राशि) बढ़ाएंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
* प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

स्वामी- शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति द्वारा एस.आर. पब्लिकेशन मोहन अर्जुन कम्पाउंड गोडाउन नं.-08,09,10 नियर घर्टनपाड़ा वैशाली नगर लास्ट बस स्टाफ दहिसर (ई.) मुंबई 400068 से मुद्रित एवं 103, प्रथम फ्लोर बी विंग एयरपोर्ट ब्यू सी.एच.एस. लि. वीर मकरन्द घानेकर मार्ग आजाद रोड फायर विग्रेड विले पारले (ई.) जिला मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 *संपादक- ओमप्रकाश रविन्द्रनाथ प्रजापति, इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः नियर जॉनसन हाऊस, शाप नंबर - 21, उन्नति सी.एच.एस. सेनापति बापट मार्ग, माहिम (वेस्ट) मुंबई-400016 * मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com,

शाहगंज व स्वाट टीम जौनपुर ने शराब की तस्करी करने वाले 7 अभियुक्तों किया गिरफ़्तार

शाहगंज जौनपुर (उत्तरशक्ति)।थाना शाहगंज व स्वाट टीम जौनपुर द्वारा शराब की तस्करी करने वाले 07 अभियुक्तों को 36 पेटी अंग्रेजी शराब,02 पेटी बीयर, आल्टो कार, पिकअप गाड़ी, 5 मोबाइल व 4800/-नगद रु0 के साथ गिरफ्तार किया गया। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द्र कुमार वर्मा के दिशा निर्देशन व क्षेत्राधिकारी शाहगंज, अजीत सिंह चौहान के कुशल पर्यवेक्षण में थाना शाहगंज पुलिस टीम व स्वाट टीम जौनपुर द्वारा शराब की तस्करी करने वाले अभियुक्तगण को 36 पेटी अंग्रेजी शराब व 02 पेटी वियर तथा एक अल्टो कार बिना नम्बर की व एक कूटरचित नम्बर प्लेट की पिकअप के साथ आज दिनांक 16/10/2024 को मलमल पुलिया शाहगंज जौनपुर से गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण का नाम व पता- 1. किशन कुमार गुप्ता पुत्र दीपक गुप्ता निवासी ग्राम महदह थाना बक्सर जिला बक्सर बिहार। 2. उपेन्द्र कुमार पुत्र जवाहरलाल निवासी जगदीशपुर थाना

मुफसिल थाना बक्सर बिहार। 3. धीरज कुमार यादव पुत्र प्रेमनरायण यादव निवासी पीपरा थाना मड़ियाहूं जनपद जौनपुर । आपराधिक इतिहास धीरज,मु0अ0सं0 26/2023 धारा 204/332/353/504/506 भादवि थाना मड़ियाहूं जौनपुर , म0अ0सं0 198/2024 धारा 115(2)/324/ 333/351/352/76 बीएनएस 2023 थाना मड़ियाहूं जौनपुर ,मु0अ0स0 346/2024 धारा 60/63 आबकारी अधि0 व 318(4),338,336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 थाना शाहगंज जौनपुर 4. मंटू चौहान पुत्र महातम चौहान निवासी जगदीशपुर थाना मुफसिल जनपद बक्सर (बिहार) 5. मुदित किशोर रावत पुत्र दिनेश कुमार रावत निवासी कजाकपुर थाना आदमपुर जनपद वाराणसी। 6. आजाद हरिजन पुत्र स्व0 नखडू हरिजन निवासी कुनिया कजाकपुर मोहन कटरा थाना आदमपुर जनपद वाराणसी। 7. विशाल मौर्य पुत्र सभाजीत मौर्य निवासी चुराबनपुर थाना बक्शा जनपद जौनपुर आपराधिक इतिहास विशाल मौर्या- मु0अ0सं0 214/2018 धारा 147/148/149/323/504/506 भादवि थाना बक्शा जौनपुर, मु0अ0स0 312/2023 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना बदलापुर जौनपुर, मु0अ0सं0 151/2024 धारा 351(2)/69 बीएनएस थाना महराजगंज जौनपुर, मु0अ0स0 346/2024 धारा 60/63 आबकारी अधि0 व 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 थाना शाहगंज जौनपुर, पंजीकृत अभियोग सभी के खिलाफ-मु0अ0स0 346/2024 धारा 60/63 आबकारी अधि0 व 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता 2023 थाना शाहगंज जौनपुर। बरामदगी का विवरण- 36 पेटी अंग्रेजी शराब, 2 पेटी किंगफिशर बीयर, एक पिकअप, एक अल्टो कार, 05 मोबाइल फोन एंड्रायड, 4800/- रूपया नगद बरामद किया।

हजरत अब्दुल कादिर जिलानी रहमततुल्लाह का मनाया गया जश्न

रियाजुलहक खान संवाददाता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जश्ने गौसूल वरा पर एक जलसा गौसे आजम का अयोजन अखाड़ा शाही

ईदगाह जौनपुर के उस्ताद मुन्ना चिश्ती के संरक्षण में किया गया कार्यक्रम का आगाज तिलावते कुरआन पाक से हुआ। इस मौके पर नात निसार अहमद व हाफिज मजिद कारी एव असगर रंजा कादरी ने मनमोहक आवाज में पढ़ी। गौसे आजम की शान में तकरीर मौलाना सालिम चिश्ती ने किया उन्होंने कहा की गौस पाक तमाम वलीयो के सरदार है जिनका रोजा इराक के बगदाद में मौजूद है। इस मौके पर मुख्य अतिथि रहे नजमे आलम कादरी ने भी हजरत गौस के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके बताए मार्ग पर चलने की बात कही आगे इसी क्रम में अखाड़ा शाही ईदगाह के उस्ताद मुन्ना चिश्ती और उनकी टीम के बच्चों को पुरुस्कृत किया गया तथा यह उम्मीद जगाई गई की कि आगे चलकर उस्ताद मुन्ना चिश्ती के अखाड़े के बच्चे अपने देश भारत के लिए भी मेंडल जीत लेकर आएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से तालिब सोनू चिश्ती, मेराज, अल्ताफ, तौफीक, समिर, सलमान, ताज मोहम्मद आदि भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बन्द घर को चोरों ने खंगाला, साढ़े तीन लाख का आभूषण उड़ाया

पोरई कलाँ ग्राम में एक सप्ताह में हुई दूसरी घटना

निशानाथ संवाददाता

खेतासराय(जौनपुर)। थाना क्षेत्र के पोरई कलाँ ग्राम में हौसला बुलंद चोरों ने एक दूसरे बंद घर को

निशाना बनाते हुए। पीछे के रास्ते घुसकर लाखों का जेवर और नकदी पर हाथ साफ कर दिया है। घर के सदस्य तो मुम्बई रहते हैं ऐसे में भांजा यहाँ रामलीला देखने आया तो घटना की जानकारी हुई।

सूचना पर पहुँची पुलिस ने आवश्यक जानकारी लिया। उक्त ग्राम निवासी विकास विस्वकर्मा अपने परिवार के साथ रोजी रोटी के सिलसिले में मुंबई रहते हैं। यहाँ घर पर ताला बंद है बुधवार की दोपहर जब इनका भांजा विजय प्रताप निवासी कलान पोरई कलाँ की श्री रामलीला देखने के उद्देश्य से आया तो बाहर गेट का ताला खोलकर अन्दर गया तो देखा कमरों के ताले टूटे हुए हैं। और जेवर के बाक्स खुले पड़े हैं अन्य सामान बिखरे पड़े हैं तो स्वजन को बताया ।ज्ञात हुआ की रखे हुए सामान में लगभग साढ़े तीन लाख का जेवर चोरों ने उड़ा दिया है बाकी चोरी हुए सामान की स्थिति तो घर वालों के आने के बाद ही पता चल पायेगा ।चोरी गये सामान में सोने का एक गले का हार, एक मांग टीका, एक नथिया, एक टप्स, एक झुमका, चैन, अंगूठी इसके आलावा चाँदी का एक जोड़ी करधन, एक जोड़ी पायल के अतिरिक्त दस हजार रुपये नकद शामिल है। फि लहाल एक सप्ताह में इस गाँव में यह दूसरी बड़ी घटना है। पाँच दिन पूर्व आनंद कुमार सिंह के बन्द पड़े घर को चोरों ने निशाना बनाया था। इस संबंध में सी ओ अजीत सिंह चौहान ने कहा कि मामले में संलिप्त लोगों को मुकदमा दर्ज कर गिरफ़्तारी की जाएगी।

आवेष में आकर महिला ने खुद खाया जहर और अपनी पुत्री को भी खिलाया, मां बेटी दोनों की मौत

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कौवापार गांव में एक महिला ने खुद जहरीला पदार्थ खा लिया तथा अपने पुत्री को भी खिला दिया।दोनों की अस्पताल पहुँचते पहुँचते ही मृत्यु हो गई। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कौवापर गांव निवासी सुभाष की पत्नी संगीता देवी (35) मंगलवार की शाम को किसी बात को लेकर नाराज होकर खुद जहरीला पदार्थ खा लिया तथा अपनी 10 वर्षीय पुत्री को भी खिला दिया। हालात बिगड़ते देख परिजन संगीता देवी एवं उसकी पुत्री को लेकर शहर स्थित एक अस्पताल में लेकर भागे जहां पर अस्पताल पहुचते ही चिकित्सकों ने संगीता देवी को मृत घोषित कर दिया। वही 10 वर्षीय पुत्री को वाराणसी रेफर कर दिया। वाराणसी पहुचते ही 10 वर्षीय पुत्री की भी मौत हो गई। परिजन संगीता एवं उसकी 10 वर्षीय पुत्री के शव को पुलिस को बिना सूचना दिए दाह संस्कार कर दिया। गांव वाले भी आश्चर्यचकित है की महिला ने ऐसा कदम क्यो उठाया। वही गांव में शोक छा गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, पत्रकार उत्पीडन एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ सत्याग्रह आन्दोलन का 1165वाँ दिन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सत्याग्रह आन्दोलन के 1165वें दिन राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाला, भ्रष्टाचार, जनसुनवाई पोर्टल पर फर्जी निस्तारण, पत्रकार उत्पीडन एवं सिरकोनी बाजार (इजरी) की भीषण डकैती काण्ड के अभियुक्तों के विरूद्ध कार्यवाही को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में ह्यसत्याग्रह आन्दोलनह्य जारी रहा। सत्याग्रह आन्दोलनकारी यशवन्त

कुमार गुप्त ने बताया कि यह आन्दोलन जाँच के मुख्य बिन्दुओं पर कायम रहते हुए समस्या के निस्तारण तक जारी रहेगा। 9 अगस्त 2021 से यह आन्दोलन चलाया जा रहा है। आन्दोलन के समर्थन में बिहारी लाल यादव, चन्द्रमणि पाण्डेय, विजय प्रकाश मिश्र, रामबहाल यादव, रामनगीना यादव, योगेश कुमार द्विवेदी, विजय प्रताप सिंह, सन्तोष कुमार गुप्ता, अरविन्द नाथ मिश्र, विजय बहादुर सिंह, अमरेश कुमार पाण्डेय, आदित्य नारायण शर्मा, प्रेम प्रकाश मिश्र व अन्य लोग उपस्थित रहे।

रहमानिया सीरत कमेटी ने मुराद खान को किया सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रहमानिया सीरत कमेटी के कैम्प कार्यालय पर आज एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समाजसेवी मुराद खान को रहमानिया सीरत कमेटी के तत्वावधान में

बीते दिनों आयोजित डढ़ियाना टोला के ऐतेहासिक जश्न ए ईद मिलादुन्नबी स अ व के कार्यक्रम में सहयोग व समर्पण के लिये कमेटी के अध्यक्ष शाहनवाज मंजूर सभासद और उनकी टीम ने गुलपोशी करके मुराद खान का स्वागत किया। संबोधित करते हुए जनरल सेक्रेटरी अशफाक मंसूरी ने कहा कि जश्न ए ईद मिलादुन्नबी का प्रोग्राम बड़े ही शान व शौकत के साथ सकुशल सम्पन्न हुआ इसके लिये मैं अपनी कमेटी की तरफ से हर प्रकार से सहयोग करने वालों को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और इस कामयाब प्रोग्राम के लिये सभी को पुनः बधाई देता हूं। इस अवसर पर सैफुद्दीन सिद्दीकी,साजिद अली गल्लू,सलीमुल्लाह खान चुन्ना, नदीम खान पिंटू, अजीजुर्रहमान खान अजीज, असद खान मुन्ना, अल्ताफ खान पप्पू आसिफ खान अद्दू, ताजिर खान गुड्डू, इश्तेयाक कुरैशी पप्पू, जुगनू खान, नदीम खान मोनू, नोमान खान सेराज, नौशाद अहमद पिंटू, आशीष मौर्या, साजिद खान, एंथोनी समेत आदि उपस्थित रहे। अंत में खजांची शहनवाज अहमद ने समस्त लोगों का शुक्रिया अदा किया।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर गैंगस्टर के आरोपी पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस अधीक्षक के आदेश से गैंगस्टर के आरोपी पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज मामला वादी के चैनल के नाम से फेसबुक पर पेज बनाने व वादी की फोटो लगाकर दुरुपयोग करने का जौनपुर- न्यूज चैनल का गलत ढंग से फेसबुक पेज बनाकर उसका दुरुपयोग करने के आरोपी रंजीत बलवानी निवासी ग्राम डमरूआ, सिकरारा के खिलाफ पुलिस अधीक्षक के आदेश पर थाना सिकरारा में धोखाधड़ी व अन्य धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई। एफआईआर की कॉपी कोर्ट में भेजी गई। पत्रकार देवेंद्र खरे ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया कि वह न्यूज वन इंडिया का अधिकृत जिला संवाददाता है। उसके चैनल के नाम से फेसबुक पर उसकी फोटो लगाकर फर्जी ग्रुप बनाकर अधिकारियों के खिलाफ अनाप-सनाप पोस्ट की गई जिसकी जानकारी पुलिस मीडिया सेल से हुई। पेज को सर्च किया गया तो फर्जी आईडी सिकरारा के डमरूआ निवासी रंजीत बलवानी की निकली जो गैंगस्टर का आरोपी है। देवेंद्र ने रंजीत पर आरोप लगाया कि वह सोशल मीडिया पर उनकी छवि धूमिल कर रहा है और कुछ माह पूर्व उसके कहने पर उसके साथी के द्वारा फर्जी आईडी और आई कार्ड और विजिटिंग कार्ड का प्रयोग कर धन उगाही का कार्य किया था। जिसकी शिकायत पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा से की गई थी तत्काल उसे व्यक्ति के ऊपर थाना लाइन बाजार में मुकदमा दर्ज किया गया था।

रामनगर रामलीला की भोर की आरती व श्याम वर्ण दक्षिणमुखी हनुमान को उमड़ा जन सैलाब

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी के रामनगर में श्रीराम के राज्याभिषेक की भोर की आरती हर किसी को भक्तिभाव से भर गई। विश्व प्रसिद्ध रामलीला की भोर की आरती में शामिल होने के लिए समूची काशी उमड़ पड़ी। आरती के दौरान लगने वाले जयघोष से पूरा माहौल शिव और राममय हो गया। महताबी रोशनी की झांकी की अनुपम छटा हर किसी के मन में उतरती चली गई। अनंत नारायण सिंह ने भी राम

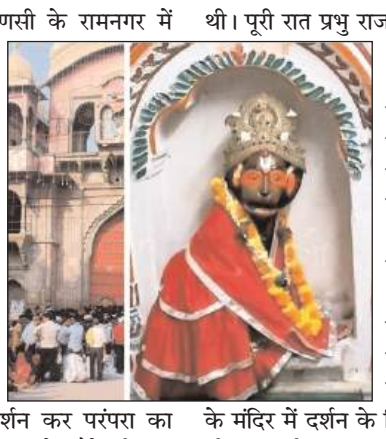

राज्याभिषेक की आरती का दर्शन कर परंपरा का निर्वहन किया। 14 वर्ष के वनवास से लौटे श्री राम के राज्याभिषेक की लीला शनिवार शाम को की गई थी। पूरी रात प्रभु राजसिंहासन पर विराजे। जानकी जी और तीनों भाई भी साथ के आसनों पर सुशोभित रहे। लीला प्रेमियों ने रातभर जागकर उनके दर्शन किए। जैसे-जैसे रात ढलती गई ।श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती गई। भोर में पांच बजे अयोध्या मैदान पूरी तरह श्रद्धालुओं से पट गया। इससे इतर रामनगर दुर्ग स्थित साल में एक बार खुलने वाले दक्षिणमुखी काले हनुमान जी के मंदिर में दर्शन के लिए रविवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। मान्यता है कि यहां दर्शन करने से असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है।

मिशन शक्ति फेज-5 जागरुकता कार्यक्रम के नाथूपुर कम्पोजिट विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मिशन शक्ति फेज-5 जागरुकता कार्यक्रम के तहत आज दिनांक-16.10.2024 को थाना जफराबाद अन्तर्गत नाथुपुर कम्पोजिट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरुक-अवगत कराना है कि महिलाओं एवं बालिकाओं में सुरक्षा, सम्मान, स्वावलमंबन, सशक्तिकरण व विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में मिशन शक्ति अभियान (फेज-05) के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा आज नाथुपुर कम्पोजिट विद्यालय में आयोजित मिशन शक्ति जागरुकता कार्यक्रम में महिलाओं/बालिकाओं को जागरुक किया गया। अभियान के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के लिए समर्पित विभिन्न सेवाओं/हेल्पलाईन नम्बरों (ट्वीटर सेवा, डॉयल-112, हेल्प लाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्प लाइन-1098, सी0एम0

हेल्पलाइन-1076, वन स्टॉप सेन्टर-181, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102, एंबुलेंस सेवा-108 आदि) तथा जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने पर महिला हेल्प डेस्क आदि के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर, अरविन्द कुमार वर्मा, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, शैलेन्द्र कुमार सिंह, थाना प्रभारी जफराबाद, मिशन शक्ति टीम जफराबाद द्वारा भी सभी को जागरुक किया गया। कार्यक्रम के अन्त में जिन महिलाओं /बालिकाओं द्वारा कार्यक्रम में अपनी बात को रखा गया उन्हे भी सम्मानित किया गया।

वाराणसी में वकील और मुवक्किल में मारपीट व धक्का मुक्की के दौरान गिरी महिला की मौत

डॉ.एस.के.मिश्र ज़िला संवाददाता

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। आदमपुर थानान्तर्गत लाट भैरव मंदिर के समीप जानकी बाग स्थित वकील के घर पर मोहल्ले के मुवकील और वकील से फीस को लेकर विवाद होने लगा। विवाद इतना बढ़ गया की वकील और मुवकील में मारपीट के दौरान सुशीला 45 वर्षीय धक्का मुक्की के दौरान गिर पड़ी। महिला को धक्का लगने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर लाट भैरव चौकी प्रभारी शुभेन्द्र दीक्षित पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया। क्षेत्रीय लोगों को समझा बुझाकर शांत कराया गया। मृतिका के पुत्र राजू ने बताया की हम लोगों का मुकदमा पड़ोसी वकील शैलेन्द्र गोस्वामी देख रहे थे। वकील साहब ने मेरी मां को धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। जिसके कारण मौके पर ही मौत हो गयी। परिजन ने आरोप लगाया की कुछ दिन पहले मुहल्ले में एक व्यक्ति से किसी बात को लेकर मार पीट हुई थी। जिसको लेकर हम

लोगों से सुलह समझौता के लिए लगभग पचास हजार रूपए ले लिये थे और रुपये का डिमांड कर रहे थे। इसी बात को लेकर हम लोग वकील साहब के घर बात चीत के लिए गये थे।

जानकारों ने बताया कि परिवार और वकील साहब में तू-तू-मैं-मैं हो ने लगा। बीच-बचाव करने के लिए महिला पहुंची। इसी बीच धक्का लगने से महिला गिर पड़ी और मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। सूचना मिलते ही मृतीका के पुत्र पंकज, राजू, कैलाश, सानू और पति राम वृक्ष पाल पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरोपियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बदलापुर के ग्राम पंचायत नेवादा मुखलिशपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में तहसील बदलापुर के

ग्राम पंचायत नेवादा मुखलिशपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी द्वारा वरासत के 104 निरस्त प्रकरणों का सत्यापन कराते हुए उन्हें दर्ज करने का निर्देश दिये गया। जिलाधिकारी के द्वारा निरस्त प्रकरणों के सम्बन्ध में लोगो से संवाद भी किया गया तथा मौके पर निस्तारण कराया गया। जिसमें करीब तीन-चार प्रकरण जो न्यायालय में विचाराधीन थे इसके संदर्भ में उपजिलाधिकारी एवं तहसीलदार को निर्देशित किया कि ऐसे मामलों में दोनों पक्ष के व्यक्तियों को बुलाकर दोनों पक्ष की बात सुनते हुए तथा कागजात का परीक्षण करते हुए विवाद का निस्तारण कराए। लगभग 07 वर्ष से लम्बित वरासत के प्रकरण को भी उन्होंने मौके पर दर्ज करते हुए निस्तारण कराया। जिलाधिकारी ने आपूर्ति निरीक्षक को निर्देशित किया कि राशन आपूर्ति तथा वितरण में किसी प्रकार की कोई समस्या न हो। कहीं भी घटतौली की शिकायत न आने पाए और समय से राशन वितरण कराया जाना सुनिश्चित करें। इस दौरान कुछ ग्रामीणों द्वारा आवास के संदर्भ में फरियाद की गई जिस पर सम्बन्धित अधिकारी को निर्देशित किया कि जो भी पात्र व्यक्ति हैं उनका चयन करते हुए उनका आवास आवंटित किया जाए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी अधिकारी आमजन से संवाद बनाए रखें तथा जनसुनवाई के दौरान आने वाली समस्याओं का निस्तारण समय से करें। विभागों में किसी भी प्रकार की पेंडेंसी नहीं होनी चाहिए।इस दौरान उप जिलाधिकारी बदलापुर संतवीर सिंह, तहसीलदार, नायब तहसीलदार महराजगंज एडीओ सहित अन्य कर्मचारीगण एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

खुटहन पुलिस ने 231 कि0 700 ग्राम अवैध पटाखा के साथ एक को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र अवैध पटाखो की बारमदगी/गिरफ्तारी के क्रम एस ओ दिव्य प्रकाश सिंह के नेतृत्व में व0उ0नि0 सकलदीप सिंह मय हमराही कर्मचारीगण की सहायता व मुखविर खास की सूचना के आधार पर ग्राम शेरपुर पथरा के पास से एक अभियुक्त सादाब आलम पुत्र सुभान अली निवासी शेरपुर पथरा थाना खुटहन जनपद जौनपुर को समय 16.45 बजे गिरफ्तार किया गया । अभियुक्त के कब्जे से कुल 231 कि0 700 ग्राम अवैध पटाखा बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0स0- 322/24 धारा 4/5/9बी विस्फोटक अधि0 पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित मा0 न्यायालय भेजा जा रहा है।

प्री-पीएच.डी. कोर्स वर्क परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा प्री-पीएच.डी. कोर्स वर्क (सत्र 2022-23) की लिखित परीक्षा 16 अक्टूबर 2024 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह परीक्षा विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक 'रिसर्च मेथडोलॉजी, पब्लिकेशन एथिक्स एवं कंप्यूटर एप्लीकेशंस' विषय पर संपन्न हुई। उप कुलसचिव परीक्षा, डॉ.अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि इस परीक्षा में कुल 524 शोधार्थियों ने पंजीकरण कराया जिनमें से 522 उपस्थित रहे, जबकि 2 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा 75 अंकों की थी और इसकी अवधि दो घंटे थी। परीक्षा का प्रारूप वर्णनात्मक था, जिसमें तीन खंड झ बहु-विकल्पीय प्रश्न, संक्षिप्त उत्तर प्रश्न और दीर्घ उत्तर प्रश्न शामिल थे।शोधार्थियों की शोध परियोजनाओं का मूल्यांकन उनके शोध निर्देशक द्वारा 100 अंकों में किया जाएगा। परियोजनाओं के अंक 18 से 30 अक्टूबर के बीच नोडल समन्वयकों को जमा करना अनिवार्य होगा। यदि किसी शोध परियोजना में 55 प्रतिशत से कम या 85 प्रतिशत से अधिक अंक दिए जाते हैं। तो उनका पुनर्मूल्यांकन विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा।सभी

शोधार्थियों के अंक ऑनलाइन फीडिंग के माध्यम से पांच नवंबर तक विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराए जाएंगे।परीक्षा के दौरान कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रो. मनोज मिश्र,प्रो.सौरभ पाल,प्रो. राकेश कुमार यादव, प्रो. विशाल सिंह, प्रो. अमित श्रीवास्तव, डॉ.अशोक यादव, डॉक्टर विशाल यादव, राजेंद्र सिंह, डॉ.मुनीन्द्र कुमार सिंह और डॉ. ज्ञानेंद्र पाल समेत अन्य पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

मुबई प्रवास पर आए भाजपा विधायक सुशील सिंह का सत्कार

मुंबई। बुधवार को मुंबई प्रवास पर आए उत्तर प्रदेश के सैयदराजा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक सुशील सिंह का नेशनल स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ इण्डिया ने अंधेरी (पूर्व) स्थित लज्जा कंपाउंड में सत्कार किया। इस अवसर पर नेशनल स्टूडेंट ऑफ इण्डिया के अध्यक्ष व सामजसेवी प्रमोद श्यामाचरण पाण्डेय, बाबा तिवारी, आनंद उपाध्याय, अनिल मिश्रा, श्याम दुबे, आलोक दुबे, अनिल दुबे, नवल सिंह, गोलू पाण्डेय, भावेश तिवारी आदि लोग उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल मुंबई में यश:कायी डॉ सोनेलाल पटेल परिनिर्वाण आज

मुंबई। अपना दल के संस्थापक सामाजिक न्याय के पुरोधा, गरीब एवम पिछड़े वर्ग के तथा किसानों के हमदर्द यश: कायी डॉ सोनेलाल पटेल परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नई मुंबई, पनवेल में किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती अनुप्रिया पटेल केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण / उर्वरक एवं रसायन राज्यमंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष अपना दल (एस) उपस्थित रहेंगी। केन्द्रीय मंत्री इस अवसर पर मुंबई नवी मुंबई,महाराष्ट्र के कई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात एवम चर्चा करेंगी। कार्यक्रम विरूपाक्ष मंगल कार्यालय, पनवेल, नवी मुंबई (डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के पास) गुरूवार 17अक्टूबर 2024 को दोपहर 2-5 बजे संपन्न होगा। आयोजक डॉ.सुभाष सिंह एवम अशोक सिंह ने सभी को सपरिवार सादर आमंत्रित किया है।

समाजसेवी संदीप सिंह सिम्पल के जन्मदिन पर लोगों ने दी बधाई

मुंबई। नालासोपारा (उत्तर शक्ति) नालासोपारा पूर्व ओसवाल नाका रिक्शा स्टैंड के सामने स्थित शिव वाशिंग सेंटर के कार्यालय में दिनांक 15 अक्टूबर 2024 दिन मंगलवार को समाजसेवी संदीप सिंह (सिम्पल सिंह) का जन्मदिन बड़े धूमधाम से मनाया गया। संदीप सिंह (सिम्पल सिंह) सरल व्यक्तित्व विचार धारा वाले कुशल नेतृत्व वाले एक सरल सौम्या मृदु भाषी, विनम्र, ऊजार्वान व्यक्ति व समाज सेवक के साथ साथ समाज के विकास एवं उत्थान के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करते रहते हैं। पुर्वांचल में एक विशिष्ठ स्थान रखते हैं। उनके जन्मदिन पर हिंदू जागरण मंच के वसई जिला संयोजक हरिकेश तिवारी, बजरंग दल वसई जिला संयोजक हितेश दुबे, पत्रकार व हिन्दू विश्व परिषद मोरेगांव प्रखंड के आशुतोष तिवारी , बजरंगदल वसई जिला संयोजक हितेश दुबे , वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी, दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, संपादक ओमप्रकाश प्रजापति , उत्तर शक्ति पत्रकार राजेश वर्मा, पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा ने जन्मदिन पर हार्दिक बधाई दी है।

नागोबा फाउंडेशन द्वारा पत्रकारों का सम्मान

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। नागोबा फाउंडेशन द्वारा नवरात्रि उत्सव व भव्य डांडिया एवं रास गरबा का आयोजन किया गया। यह आयोजित कार्यक्रम भायंदर हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे मैदान में नागोबा फाउंडेशन द्वारा बड़े धूमधाम व भव्य तरीका से मनाया गया। जिसमें नागोबा फाउंडेशन के अध्यक्ष शंकर विरकर ने नवरात्रि के शुभ अवसर पर पत्रकारों को सम्मान चिह्न देकर सम्मानित किया। शंकर विरकर ने कहा कि पत्रकार हमारे देश के चौथा स्तंभ है। हमारे देश के लिए पत्रकारों का महत्वपूर्ण भूमिका रहा है। सम्मानित पत्रकार तारकेश्वर पांडे (उत्तरशक्ति) हिंदी दैनिक, पत्रकार भालचंद्र कामले दैनिक महाराष्ट्र सम्राट, पत्रकार संजय मकवाना द समरस टाइम्स, पत्रकार हेमंत आग्रे दैनिक कोकण सकल, पत्रकारों के साथ साथ भारी संख्या में समाजसेवी गणमान्य उपस्थित थे। सम्मानित पत्रकारों ने नागोबा फाउंडेशन द्वारा सम्मान किऐ जाने पर अध्यक्ष शंकर विरकर को आभार प्रकट किया है।

एफएनपी ने देशभर के 36 शहरों में क्विक डिलीवरी सेवा शुरू की

मुंबई। भारत के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद गिफ्टिंग प्लेटफॉर्म एफएनपी (फर्न्स एन पेटल्स) ने आज देशभर के 36 शहरों में अपनी नई 30 मिनट की क्विक डिलीवरी सेवा शुरू करने की घोषणा की है। भारत में उसी दिन डिलीवरी करने के क्षेत्र में सबसे आगे एफएनपी ने इस विरासत को आगे बढ़ाया है। अब इस पेशकश में लगातार इनोवेशन की पहल करते हुए अधिक सहज विकल्प प्रदान करते हुए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

एफएनपी ने हमेशा उपहार के ऑर्डर वाले दिन ही डिलीवरी देने में उद्योग का नेतृत्व किया है। देश भर में इस सेवा को शुरू करने वाली पहली कंपनियों में से एक है। अब कंपनी ने मुंबई (ठाणे, वसई, विरार, डोंबिवली), दिल्ली एनसीआर (गुड़गांव, नोएडा, गाजियाबाद), बैंगलोर, चंडीगढ़ (जीरकपुर, मोहाली) और चेन्नई जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों के साथ-साथ पुणे, अहमदाबाद, लुधियाना, कानपुर, जयपुर और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों में 30 मिनट की क्विक डिलीवरी की पेशकश कर स्टैंडर्ड्स को और भी ऊंचा कर दिया है। एफएनपी के ग्लोबल सीईओ और डायरेक्टर पवन गाडिया ने कहा, एफएनपी में हमारा मानना है कि उपहार देना विचारशीलता और किसी व्यक्ति के प्रति प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति है। हमारी 30 मिनट की क्विक डिलीवरी सेवा यह सुनिश्चित कर हमारे ग्राहकों के अनुभव को बढ़ाती है। इसके जरिये उनके विचारशील पहल को सहजता से पूरे करने पर हमारा ध्यान है।

मुंबई में ट्रैफिक पुलिस द्वारा किए जा रहे भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता अभियान

मुंबई। मुंबई विभागीय राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता और हिंदी भाषी अध्यक्ष मनीष दूबे के नेतृत्व में शहर में ट्रैफिक पुलिस के भ्रष्टाचार के खिलाफ एक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत ट्रैफिक पुलिस और आरटीओ अधिकारियों द्वारा की जा रही अवैध वसूली और फर्जी तरीकों से लगाए जा रहे जुमार्नों के खिलाफ जनता को जागरूक किया जा रहा है। मनीष दूबे ने बताया कि 16 सितंबर 2024 को उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक पत्र लिखकर इस मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया था। पत्र में दूबे ने भ्रष्ट आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी, जो दोपहिया वाहनों, ऑटो रिक्शा और निजी गाड़ियों पर गलत तरीके से जुमार्ने लगा रहे हैं। उन्होंने कहा मुंबई के विभिन्न इलाकों में ट्रैफिक पुलिस फर्जी तरीकों से जुमार्ने लगा रही है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि खाद्यान्न सामग्री सप्लाई करने वाली गाड़ियाँ भी जबरन जुमार्ना भरने के लिए मजबूर हो रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पास ऑनलाइन माध्यम से अब तक दस हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। जिनमें लोगों ने ट्रैफिक पुलिस की अवैध वसूली की जानकारी दी है। दूबे ने स्पष्ट किया कि अगर ट्रैफिक पुलिस द्वारा अवैध वसूली बंद नहीं की जाती, तो आंदोलन मुंबई महानगर के सभी हिस्सों में व्यापक रूप से जारी रहेगा। 13 अक्टूबर को मनीष दूबे ने इस मुद्दे को लेकर एक और आंदोलन का आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। दूबे ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही इस समस्या का समाधान नहीं किया जाता, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप ले सकता है। श्री दूबे ने इस पूरे मामले पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह सिर्फ आम जनता ही नहीं, बल्कि व्यवसायी वर्ग और जरूरतमंद लोगों को भी प्रभावित कर रहा है। हम इस अन्याय के खिलाफ अपनी आवाज उठाते रहेंगे और तब तक संघर्ष करेंगे जब तक कि दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती और अवैध वसूली समाप्त नहीं होती। जनता में जागरूकता फैलाने के लिए इस अभियान को निरंतर चलाया जा रहा है, और इसे जनता का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

राष्ट्रीय चौहान महासंघ समाज के लिए क्रय किया भूखण्ड

भरुच (उत्तरशक्ति)। मुनीब सिंह चौहान संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्रीय चौहान महासंघ के दिशा निर्देश में नरेन्द्र सिंह चौहान संस्थापक सदस्य की अगुवाई में 15 अक्टूबर 2024 को गुजरात के भरुच व अंकलेश्वर शाखा के संयुक्त प्रयास से अध्यक्ष राम सिंह बि चौहान के हस्ताक्षर से 1404 स्क्वायर फिट भूखंड राष्ट्रीय चौहान महासंघ के नाम क्रय किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव गोविन्द कै. चौहान, राष्ट्रीय प्रवक्ता शैलेश ज.चौहान, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष लल्लन चौहान, जितेन्द्र रामईश्वर चौहान आदि पदाधिकारी मौजूद रहे। कमला प्रसाद मकरध्वज चौहान व नन्दलाल श्रीकांत चौहान ने क्रमशः 702--702 स्क्वायर फीट भूखंड दान किए। आर्थिक दानदाताओं में रामनारायण चौहान, रामप्रताप चौहान, हरेंद्र चौहान, जितेन्द्र रमाशंकर चौहान, दिनेश चौहान, योगेन्द्र चौहान, जितेन्द्र राम ईश्वर चौहान, अरविन्द चौहान, परमहंस चौहान, बृजेश चौहान, दलसिंगार चौहान, मनोहर चौहान, सत्यनारायण चौहान, शैलेश चौहान, गोविन्द चौहान, कमलेश्वर चौहान, संदीप चौहान के द्वारा आर्थिक सहयोग प्राप्त किया गया। राष्ट्रीय चौहान महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा नये कार्यालय का उद्घाटन किया गया।

विकासक विमल शाह व मुरजी पटेल के खिलाफ आमरण अनशन

मुंबई। जहां केंद्र सरकार द्वारा गरीबों को घर देने का प्रयास किया जा रहा है वहीं दूसरी तरफ अंधेरी पूर्व के एमआईडीसी में गरीब जनता को कहना है कि गरीबों का घर छीनकर उन्हें बेघर कर दिया गया है। इसमें भूखंड क्रमांक 18, 26 व सी7 और सी8 में हजारों फ्लैट बनाये गये हैं। क्षेत्र के विकासक बिल्डर विमल शाह द्वारा इस योजना के तहत घर बनाना था और बनाया भी गया। परंतु जिसे मिलना था उन्हें नही मिला। जनता का कहना है कि उन घरों में वह रह रहे हैं जिनका यहां कुछ भी नही था। इसमें नेता, एमआईडीसी के अधिकारी व पुलिस के लोग घोटाले में शामिल है। आज जनता का सब्र का बांध टूट गया और सैकड़ो की संख्या में लोग विकासक विमल शाह व भाजपा नेता मुरजी पटेल के विरुद्ध उद्योग सारथी कार्यालय के सामने उपोषण और आमरण अनशन पर बैठ गये है। धरने पर बैठे अविनाश राठौर ने बताया कि 239 फ्लैट का घोटाला हुआ है। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व नगरसेवक मुरजी पटेल मुख्य भूमिका में है। और पटेल ने गरीबों का आशियाना उजाड़ दिया और योजना के तहत मिले घरों को मिलीभगत कर मोटी रकम लेकर बाहर के लोगों को घरों में रहने के लिए घुसा दिया। असली घर के हकदार मालिक दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर है। लोगों ने यहां तक बताया कि हमें ना घर मिला और ना ही घर के भाड़ा मिल रहा है। इसमें मुख्य रूप से विकासक विमल शाह, उनका खासमखास मुरजी पटेल, एमआईडीसी के भ्रष्ट अधिकारी व स्थानीय पुलिस की मिलीभगत है। धरने पर बैठे लोगों ने कहा है कि जब तक हम सबको हमारा घर नही मिल जाता है तब तक यह आमरण अनशन जारी रहेगा। जानकारी के अनुसार इन अवैध घरों में रहने वालों को खाली करने का नोटिस भी दिया गया है फिर भी फ्लैट खाली नही हो पाया है। अब आने वाला समय ही बतायेगा क्या इन्हें इनका घर मिलेगा या इसी तरह भटकती रहेगी जनता।

ईजमायट्रिप ने 'ट्रैवल उत्सव सेल' लॉन्च की

मुंबई। भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स में से एक, ईजमायट्रिप डॉटकॉम ने त्योहारों के सीजन के लिए अपनी खास 'ट्रैवल उत्सव सेल' शुरू करने की घोषणा की है। यह लिमिटेड-टाइम सेल 15 से 22 अक्टूबर, 2024 तक ईजमायट्रिप की आधिकारिक वेबसाइट पर चलेगी। इस सेल में ग्राहकों को अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों, होटलों, बसों, कैब्स और हॉलीडे पैकेजेस पर बेहतरीन छूट मिलेगी। ट्रैवल उत्सव सेल के दौरान ग्राहक फ्लाइट्स पर 34% तक, होटलों पर 65% तक, बस बुकिंग पर 15% तक और कैब रेंटल्स पर 12% तक की सीधी छूट पा सकते हैं। इसके अलावा, हॉलीडे पैकेज की शुरूआत 6999* रूपए से होती है। इस शानदार बचत का फायदा उठाने के लिए ग्राहक ईजमायट्रिप ऐप या वेबसाइट पर अपने बैंक के प्रोमोकोड का इस्तेमाल करके बुकिंग कर सकते हैं। इस सेल में ईजमायट्रिप ने प्रमुख बैंकों के साथ साझेदारी की है, जिससे ग्राहकों को अतिरिक्त छूट का फायदा मिलेगा। इसमें आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड, बैंक ऑफ बड़ौदा डेबिट कार्ड, अमेरिकन एक्सप्रेस क्रेडिट कार्ड, एचएसबीसी बैंक क्रेडिट कार्ड और ईएमआई, आरबीएल बैंक क्रेडिट कार्ड, और एयू बैंक क्रेडिट कार्ड शामिल हैं। ईजमायट्रिप के को-फाउंडर रिकांत पिट्टी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, त्योहारों के इस सीजन में हम अपनी 'ट्रैवेल उत्सव सेल' की पेशकश करके बहुत उत्साहित हैं। यह सेल यात्रियों के लिए हमारा एक तोहफा है, जिससे वे किफायती कीमतों पर नए एडवेंचर्स की शुरूआत कर सकते हैं और अपने प्रियजनों के साथ यादगार पल बना सकते हैं। हमने यात्रा की हर श्रेणी में शानदार ऑफर्स तैयार किए हैं ताकि हर यात्री त्योहारों का मजा उठाते हुए बेहतरीन डील पा सके। इस सेल में सिर्फ डिस्काउंट्स ही नहीं, बल्कि ग्राहकों के लिए रोमांचक इनाम जीतने का मौका भी है। सेल के दौरान सबसे ज्यादा खर्च करने वाले व्यक्ति को कार्स24 से 5 लाख रुपये तक की एक प्री-ओन्ड कार जीतने का मौका मिलेगा। इसके अलावा, कुछ अन्य बड़े खर्च करने वाले ग्राहकों को

गोष्ठी में गन्ने की बोआई पर हुई चर्चा

आजमगढ। शरद कालीन गन्ना बोआई को लेकर मंगलवार को आमेपुर गांव में मंगलवार को गन्ना विकास विभाग की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में किसानों को शरद कालीन गन्ना की बोआई के साथ सहफसली खेती कर आय वृद्धि की जानकारी दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता गन्ना पर्यवेक्षक हरिश्चंद्र यादव ने किया। गोष्ठी में गन्ना की खेती के लिए नई प्रजाति के बीजों को एवं टिशु कल्चर के पौधे लगाकर गन्ने के उत्पादन की जानकारी दी गई।

विबग्योर ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने सीबीडी बेलापुर में अपना नया स्कूल लॉन्च किया

नवी मुंबई ।12 स्कूल के प्रमुख नेटवर्क, विबग्योर ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने सीबीडी बेलापुर में अपने नए स्कूल के लॉन्च की घोषणा की है। यह वृद्धि भारत में विबग्योर के फुटप्रिंट के उल्लेखनीय विस्तार को दशार्ता है. 2025 /26 शैक्षिक वर्ष खुलने के लिए तैयार यह डेवलपमेंट देश भर के विद्यार्थियों को अपवादात्मक शिक्षा अवसर प्रदान करने और शैक्षिक वातावरण प्रदान करने की गति को तीव्र करने के लिए विबग्योर की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ता है. सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई (नवी मुंबई में तीसरा और मुंबई महानगर क्षेत्र में आठवां) में स्थित नए स्कूल को शैक्षिक उत्कृष्ट की विरासत को जारी रखने के लिए तैयार किया गया है। कैंपस में आधुनिक लैबोरेट्रीज, मल्टीमीडिया क्लासरूम और विस्तृत स्पोर्ट्स कंपलेक्स सहित आधुनिक सुविधाएं होंगी. इस संस्थान का उद्देश्य ना सिर्फ शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है बल्कि सृजनात्मक, महत्वपूर्ण विचार और लीडरशिप कौशल्य को भी बढ़कर विद्यार्थियों को एक तेजी से विकसित हो रहे वैश्विक क्षेत्र के लिए तैयार करना है।

डेवलपमेंट पर बोलते हुए विबग्योर ग्रुप ऑफ स्कूल्स के फाउंडर चेयरमैन, रुस्तम केरावाला ने कहा, सीबीडी बेलापुर में हमारे नए स्कूल का लॉन्च विबग्योर के लिए उल्लेखनीय माइलस्टोन को दशार्ता है। यह संस्थान ना सिर्फ हमारे स्कूलों में वृद्धि है बल्कि श्रेष्ठ शिक्षा प्रदान करने की हमारी 20 वर्ष की विरासत को जारी रखना भी है. यह डेवलपमेंट ना सिर्फ भारत में हमारे फुटप्रिंट को बढ़ाएगा बल्कि महाराष्ट्रभर में भी हमारे मजबूत नेटवर्क का विस्तार करेगा।

एस के मंडल छात्रवृत्ति योजना 2024 का शुभारंभ

पटना (उत्तरशक्ति)। एस के मंडल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, पटना के अध्यक्ष एस के मंडल के जन्मदिन के शुभ अवसर पर संस्था के द्वारा एस के मंडल छात्रवृत्ति योजना - 2024 का शुभारंभ किया गया। इस योजना के अन्तर्गत संस्था के द्वारा संचालित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, पटना, कृष्णा इन्स्टीच्यूट ऑफ नर्सिंग एण्ड पारामेडिकल साइंसेज, समस्तीपुर, विद्यापति इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, समस्तीपुर, कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ पारामेडिकल साइंसेज, पूर्णिया एवं कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, मधेपुरा के अन्तर्गत चल रहे प्रशिक्षण कोर्स जैसे कि बैचलर ऑफ फिजियोथेरपी, बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी, बैचलर ऑफ हॉस्पिटल मैनेजमेंट, बैचलर ऑफ मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन मेडिकल लेबोरेट्री टेक्नोलॉजी, डिप्लोमा इन ओ टी अस्सिटेंट, ड्रेसर इत्यादि उक्त सभी पारामेडिकल कोर्स में इस योजना के अन्तर्गत कुल 28 छात्र-छात्राओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं नामांकन के लिए प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसका कार्यक्रम इस प्रकार है ऑनलाइन/ऑफलाइन आवेदन प्रारंभ-17/10/2024, ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि-16/11/2024, छात्रवृत्ति परीक्षा की तिथि-08/12/2024, परीक्षाफल घोषणा की तिथि-14/12/2024, नामांकन की तिथि-23/12/2024 ऑनलाइन आवेदन संस्था के आधिकारिक वेबसाइट पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त संबंधित संस्थानों के कार्यालय में हार्डकॉपी में आवेदन पत्र जमा कर सकते है। इस योजना में ऐसे छात्र-छात्राएं आवेदन कर पाएंगे जिनके अभिभावक का आय गरीबी रेखा से नीचे हो। जिन संस्थानों में और जिस कोर्स में नामांकन लेने के लिए छात्र-छात्राओं के द्वारा आवेदन जमा किया जाएगा उसमें जो छात्र-छात्राएं प्रथम स्थान

जानें गुरुवार का आपका लकी नंबर और शुभ रंग कौन सा होगा

अंक ज्योतिष द्वारा अंकों के माध्यम से व्यक्ति के विषय एवं उसके भविष्य को जानने का प्रयास किया जाता है। उदाहरण के लिए समझिए यदि किसी व्यक्ति का जन्म 23 अप्रैल को हुआ है तो उसकी जन्म तारीख के अंकों का योग 2+3=5 आता है। यानि 5 उस व्यक्ति का मूलांक कहा जाएगा। अगर किसी की जन्मतिथि दो अंकों यानी 11 है तो उसका मूलांक 1+1= 2 होगा। वहीं जन्म तिथि, जन्म माह और जन्म वर्ष का कुल योग भाग्यांक कहलाता है। जैसे अगर किसी का जन्म 22-04-1996 को हुआ है तो इन सभी अंकों के योग को भाग्यांक कहा जाता है। 2+2+0+4+1+9+9+6=33= 6 यानी उसका भाग्यांक 6 है। इस अंक ज्योतिष को पढ़कर आप अपनी दैनिक योजनाओं को सफल बनाने में कामयाब रहेंगे। जैसे दैनिक अंक ज्योतिष आपके मूलांक के आधार पर आपको यह बताएगा कि आज के दिन आपके सितारे आपके अनुकूल हैं या नहीं। आज आपको किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है या फिर किस तरह के अवसर आपको प्राप्त हो सकते हैं। दैनिक अंक ज्योतिष की भविष्यवाणी को पढ़कर आप दोनों ही परिस्थिति के लिए तैयार हो सकते हैं। तो चलिए अंक शास्त्र के माध्यम से जानते हैं आपका मूलांक, शुभ अंक और लकी कलर कौन सा है। भाग्य आपके साथ है और अभी आप अपने पिता की तरह के व्यक्ति के साथ धर्मस्थान जा सकते हैं। अधिकारी या मालिक से मिली प्रशंसा आपको और भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी। कानूनी मामलों को लेकर चिंतित न हों क्योंकि आज सितारे आपके पक्ष में हैं। सितारे आपके जीवन को समृद्धि, सफलता और नई संभावनाओं से भरने की ओर इशारा कर रहे हैं। कार्यस्थल में आज आपको विजय प्राप्त हो सकती हैं जिससे आप अच्छा महसूस करेंगे। खुद पर विश्वास और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें। यह आपके करियर में बदलाव के पल हो सकते है। सलाहकार या अध्यापक की सलाह लें। जीवन को नए सिरे से शुरू करने का समय आ चुका है तो अपने दोस्तों और रिश्तेदारों से मिलें। नया दौर समृद्धि और भावनात्मक स्थिरता देगा। भावुक स्वभाव को बदले और विचार बांटे ताकि आपस की गलतफहमी दूर की जा सके। जितना हो सके अपने आसपास के लोगों को खुश रखें। आज आपको नए परिवेश या वातावरण में काम करने का मौका मिलेगा जिससे आप अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। जीवन में अपने अनुभव और रचनात्मकता से आप तारीफ के साथ-साथ धन लाभ भी पाएंगे। पार्टनर्स और करीबी साथी के साथ बातचीत से भी आपको नए आइडियाज मिलेंगे। अगर आप अपनी दोस्ती पर ध्यान देंगे तो आपकी दोस्ती फलेगी फूलेगी। आपके दोस्त और दुश्मनों दोनों को आज आपकी मदद की जरूरत पड़ सकती है।

नए कार्यों और प्रोजेक्ट में समय बिताएं। किसी खास साथी की तलाश में हैं तो आज का दिन आपके लिए शुभ है। अभी रोजगार या व्यापारिक निर्णय और कानूनी मामलों में कूटनीति से लें।

प्रियजनों के साथ किसी नई खरीद या नए अनुबंध का आनंद लें। अनावश्यक खर्च से बचें। इसके बजाय अपनी रचनात्मक और आध्यात्मिक पक्ष संलग्न करें। आपके दोस्त काम या प्रोजेक्ट के साथ साथ आपकी वित्तीय सहायता भी करेंगे।